श्रावण कृष्ण पक्ष -2, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 33 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 जुलाई 2024 मंगलवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

प्राथमिकता के 9 सूत्र, रोजगार व कौशल विकास की 5 खास योजनाएं

पुराने भरोसेमंदों को थामे रखने व नयों को भरोसा दिलाने का जतन

मोदी 3.0
सरकार का बजट

- पहली जॉब के साथ ही युवाओं के खाते में आएंगे 15 हजार
- मुद्रा लोन अब 20 लाख रुपए
- कस्टम ड्यूटी घटने से मोबाइल होगा सस्ता
- छोटे कारोबारियों को बिना गारंटी लोन

नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो/एजेंसी।

केंद्र की मोदी 3.0 सरकार ने आज अपने पूर्ण बजट में पिछले तमाम 'अनुभवों' को ध्यान में रखते हुए आगे बढने का जतन किया है। बजट में सरकार ने गरीबों,महिलाओं, युवाओं और किसानों को फोकस में रखा है। रोजगार, कौशल, एमएसएमई, मध्यम वर्ग पर ध्यान दिया गया है। रोजगार और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी पांच खास योजनाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। एक करोड़ युवाओं को शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप देने का प्रावधान भी है तथा पहली नौकरी वालों के लिए 1 लाख रुपए से कम सैलेरी होने पर,ईपीएफओ में पहली बार रजिस्टर करने वाले लोगों को 15 हजार रुपए की मदद तीन किश्तों में मिलेगी। इनकम टैक्स स्लेब में सुधार का दावा किया गया है। पीएम आवास योजना का विस्तार किया गया है। मुद्रा लोन की सीमा बढ़ाई गई है। कुल मिलाकर वित्त वर्ष के लिये नौ सूत्र तय किये गये हैं। वहीं स्पेशल स्कीम्स राज्यों के लिए बिहार और आंध्रप्रदेश आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ और बिहार को 41 हजार करोड़ रुपए की मदद दी गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा कि 'भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि लगातार शानदार बनी हुई है। भारत की मुद्रास्फीति स्थिर है, जो 4त्न के लक्ष्य की ओर है। गरीब, युवा, महिला, किसान जैसे प्रमुख वर्गों पर ध्यान देने की कोशिश है। उन्होंने कहा, 'भारत की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में अपना विश्वास जताया है। मुश्किल दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था चमक रही है।'

बजट से उभरी सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है रोजगार और कौशल विकास। इसे लेकर हाल के चुनाव में भी काफी बात हुई थी। इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है। फॉर्मल सेक्टर में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा। यह वेतन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा। इसकी अधिकतम राशि 15 हजार रुपये होगी। ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी। योग्यता सीमा एक लाख रुपये प्रति माह होगी। इससे 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा। किसानों और कृषि क्षेत्र के 1.52 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस फंड से कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी।

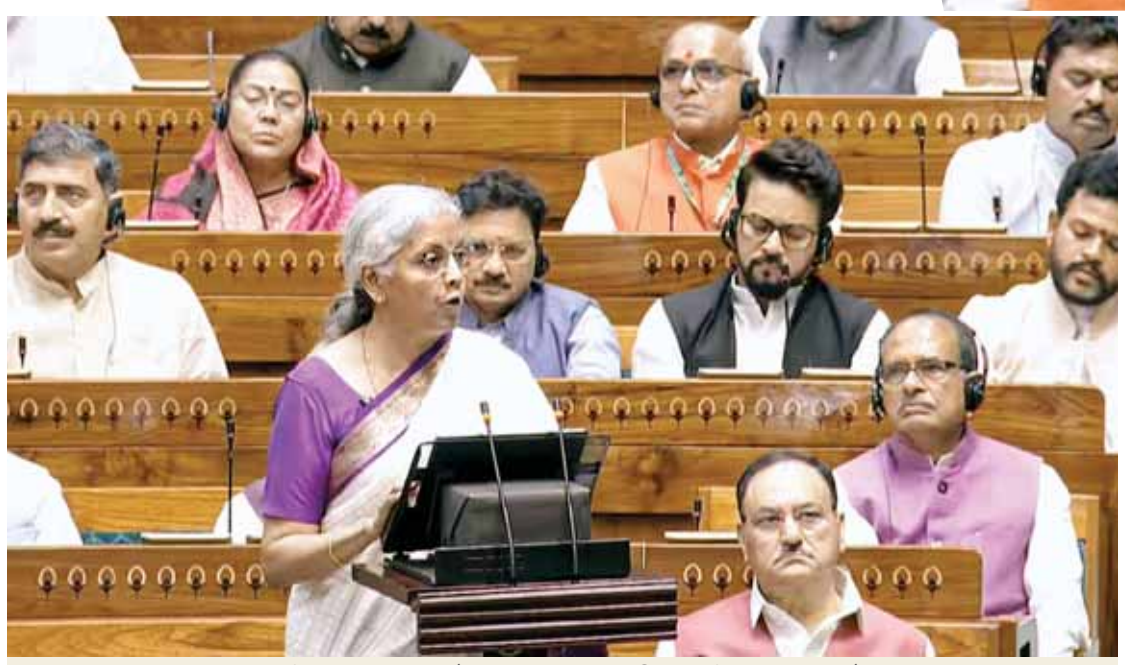

7वीं बार बजट पेश किया निर्मला सीतारमण ने

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश किया तो यह लगातार सातवीं बार है, जब वे बजट पेश करने वाली मंत्री बनीं। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने अब तक सबसे ज्यादा 10 बार बजट पेश किया है। 1962 से 1969 तक मोरारजी देसाई वित्त मंत्री थे। उनके बाद पी. चिदंबरम ने 9 बार और प्रणब मुखर्जी ने 8 बार बजट पेश किया है।

क्या हो अगर संसद में अटक जाए बजट?

वैसे तो आम बजट संसद में आसानी से पास हो जाता है, लेकिन क्या हो कि अगर ये यहां अटक जाए तो? बजट अगर संसद में पास नहीं होता है तो माना जाता है कि सरकार संकट में है. बजट का लोकसभा में पास होना जरूरी है, क्योंकि ये फाइनेंस बिल होता है. फाइनेंस बिल को राज्यसभा की मंजूरी की जरूरत नहीं है।

बिहार में सड़क, आंध्र में किसानों के लिए पैकेज

केंद्र सरकार के दो प्रमुख सहयोगी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के राज्यों को बजट में खास तवज्जों देने की कोशिश है। वित्त मंत्री ने कहा कि हम बिहार के गया में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देंगे। इससे पूर्वी क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी. हम सड़क संपर्क परियोजनाओं के विकास में भी सहयोग करेंगे। पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे, बक्सर-भागलपुर राजमार्ग, बोधगया-राजगीर-वैशाली-दरभंगा और बक्सर में गंगा नदी पर 26,000 करोड़ रुपये की लागत से एक अतिरिक्त दो लेन के पुल का निर्माण होगा। इसी तरह आंध्र प्रदेश के लिए स्पेशल वित्तीय पैकेज की भी घोषणा की गई है जो किसानो के लिये मददगार होगा।

ई वाउचर्स सुविधाः जिन लोगों को किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, उनको सरकार आसान एजुकेशन लोन देगी। लोन का 3 फीसदी हिस्सा सरकार भरेगी। ऐसे छात्रों को देशभर के संस्थानों में एडमिशन के लिए यह लोन दिया जाएगा। इस योजना के तहत एक लाख स्टूडेंट्स के लिए सरकार ई वाउचर्स जारी करेगी।

महिला और लड़कियों के लिए 3 लाख करोड़

महिलाओं और लड़कियों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की 100 से अधिक शाखाएं स्थापित की जाएंगी। राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पोलावरम सिंचाई परियोजना पूरी होगी। विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे में कोप्पार्थी क्षेत्र और हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे में ओरवाकल क्षेत्र में विकास के लिए फंड दिया जाएगा।

सोना-चांदी समेत ये चीजें होंगी सस्ती

मोबाइल फोन और उपकरणों के घरेलू उत्पादन में इजाफा हुआ है। मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर पर सीमा शुल्क घटाया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा मोबाइल फोन और मोबाइल PCBS तथा मोबाइल चार्जर पर BCD को घटाकर 15त्न करने का प्रस्ताव करती है। कैंसर के मरीजों के लिए तीन और दवाओं को पूरी तरह सीमा शुल्क से मुक्त कर दिया जाएगा। एक्सरे ट्यूब, फ्लैट पैनल डिटेक्टर में भी सीमा शुल्क घटाया जाएगा। सोने और चांदी पर सीमा शुल्क छह फीसदी और प्लेटिनम पर 6.4 फीसदी सीमा शुल्क घटाया जाएगा।

न्यू टैक्स रिजीम
स्टैंडर्ड डिडक्शन 75 हजार, 3 लाख तक आय करमुक्त

बजट में मध्यम व उच्चवर्ग की निगाहें टैक्स संबंधी घोषणा पर रहीं। वित्त मंत्री ने पर्सनल टैक्स को लेकर अहम घोषणाएं की। वित्त मंत्री ने स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार किया गया। इसके अलावा 0 से 3 लाख तक कोई टैक्स नहीं देना होगा। जबकि 3 से 7 लाख रुपये तक 5 फीसदी टैक्स होगा। दस लाख तक की आय पर दस फीसदी तक टैक्स देना होगा।

उन्होंने कहा कि इनकम टैक्स प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। दो-तिहाई लोगों ने नया टैक्स रीजीम को चुना है। कैपिटल टैक्स गेन को सरल बनाने का प्रस्ताव है।इसकी लिमिट बढ़ाई जाएगी। टीडीएस बकाया प्रक्रिया को सरल किया जाएगा। टीडीएस वक्त पर नहीं देना अपराध नहीं होगा। दरअसल, नौकरीपेशा लोगों को उम्मीद थी कि वित्त मंत्री इस बार बजट में इनकम टैक्स में राहत दे सकती हैं. सरकार ने स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाकर और न्यू टैक्स रिजीम में बदवाल कर दिया है. वित्त मंत्री का कहना है कि न्यू टैक्स स्लैब में बदलाव से टैक्सपेयर्स को 17500 रुपये बचा पाएंगे।

- 3 से 7 लाख आय पर 5 प्रतिशत आयकर
- 7 से 10 लाख की आय पर 10प्रतिशत आयकर
- 10 लाख से 12 लाख की आय पर 15प्रतिशत आयकर
- 12 लाख से 15 लाख की आय पर 20प्रतिशतआयकर
- 15 लाख से ज्यादा की आय पर 30 प्रतिशत आयकर।

सरकार की नौ प्राथमिकताएं

- खेती में उत्पादकता
- रोजगार और क्षमता विकास
- समग्र मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय
- विनिर्माण और सेवाएं
- शहरी विकास
- ऊर्जा सुरक्षा
- अधोसरंचना
- नवाचार, शोध और विकास
- अगली पीढ़ी के सुधार

बजट के नए ऐलान

- 6 करोड़ किसानों की जमीन का ब्योरा लैंड रजिस्ट्री पर लाया जाएगा।
- राज्यों में नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे।
- छोटे कारोबारियों को बिना गारंटी के लोन देगी।
- हायर एजुकेशन के लिए 10 लाख रुपए का लोन
- अन्न योजना एक साल के लिए बढ़ी
- रोजगार बढ़ाने के लिए तीन योजनाएं
- 50 लाख रोजगार पर रहेगा जोर
- 10 हजार बायो रिसर्च केंद्र बनेंगे।

बजट का असल अर्थ और अबूझ शब्द!

नई दिल्ली , एजेंसी।

देश की वित्तत मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज मौजूदा वित्त वर्ष का जब बजट पेश किया तो फिर इसमें ऐसी कई बातों और शब्दों का उल्लेख रहा, जिन्हें हम आमतौर पर सुनते हैं, और इसे समझने का अहसास भी हमें होता है लेकिन सही बात तो यह है कि इसका असल अर्थ तथा व्याख्या के बारे में हमें पता नहीं होता। दरअसल बजट का मतलब पढ़े-लिखे आदमी के लिए भी समझना टेढ़ी खीर वैसे, बजट शब्द फ्रेंच भाषा के शब्द बोजेत से बना है। इसका अर्थ है, छोटा बैग। फ्रेंच भाषा में यह शब्द लैटिन शब्द 'बुल्गा' से लिया गया है। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा देश का आय-व्यय लेखाजोखा पेश करने की शुरुआत ब्रिटेन से हुई थी। बहरहाल, बजट के गूढ अर्थ वाले शब्दों पर गौर करें।

राजकोषीय घाटाः सरकार की कुल आय और व्यय में अंतर को आर्थिक शब्दावली में 'राजकोषीय घाटा' कहा जाता है। इससे इस बात की जानकारी होती है कि सरकार को कामकाज चलाने के लिए कितने उधार की जरूरत होगी। कुल राजस्व का हिसाब-किताब लगाने में उधार को शामिल नहीं किया जाता है।

चालू खाता घाटाः जब किसी देश की वस्तुओं, सेवाओं और ट्रांसफर का आयात इनके निर्यात से ज्यादा हो जाता है, तब चालू खाते घाटा की स्थिति पैदा होता है। यानी, जब भारत में बनी चीजों और सेवाओं का बाहर निर्यात होता है तो इससे भुगतान हासिल होता है। दूसरी ओर, जब कोई भी वस्तु या सर्विस आयात की जाती है तो उसकी कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरह, देश में प्राप्त भुगतान और बाहरी देशों को चुकाई गई कीमत में जो अंतर आता है वह चालू खाता घाटा कहलाता है।

सरकारी राजस्व व व्ययः सरकारी राजस्व सरकार को उसके सभी स्रोतों से होने वाली आमदनी होता है। इसके विपरीत सरकार जिन-जिन मदों में खर्च करती है उसे सरकारी व्यय कहते हैं। यह सरकार की वित्तीय नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है।

पूंजी बजटः बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री सरकारी आमदनी का ब्योरा पेश करते हैं, उनमें पूंजीगत आय भी शामिल होती है। यानी, इसमें सरकार द्वारा रिजर्व बैंक और विदेशी बैंक से लिए जाने वाले कर्ज, ट्रेजरी चालानों की बिक्री से होने वाली आय के साथ ही पूर्व में राज्यों को दिए गए कर्जों की वसूली से आए धन का हिसाब-किताब भी इस पूंजी बजट का हिस्सा है।

बजट के अन्य गूढ़ शब्द

- **संशोधित आकलनः** यह बजट में खर्चों के पूर्वानुमान और वास्तविक खर्चों के अंतर का ब्योरा है।
- **पूंजीगत भुगतान या व्ययः** सरकार को किसी तरह की परिसंपत्ति खरीदने के लिए जो भुगतान देना होता है, वह इस श्रेणी में आता है।
- **राजस्व सरप्लसः** यदि राजस्व प्राप्तियां राजस्व खर्च से अधिक हैं, तो यह अंतर राजस्व सरप्लस की श्रेणी में होगा।
- **अनुदान मांगः** संचित कोष से मांगे गए धन के खर्चों का अनुमानित लेखा-जोखा ही अनुदान मांग है।
- **योजना खर्चः** राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सहायता के अलावा केंद्र सरकार की योजनाओं पर होने वाले सभी तरह के खर्चों को इसमें शामिल किया जाता है।

सावन में महिलाओं के खाते में ढाई सौ रु. अतिरिक्त देगी मप्र सरकार

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज 'आत्मनिर्भर पंचायत – समृद्ध मध्यप्रदेश कार्यक्रम में शामिल हुए।'

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज कहा है कि भारतीय संस्कृति में सावन माह का विशेष महत्व है। सावन माह में प्रत्येक लाडली बहन के खाते में आने वाली एक तारीख को ढाई सौ रुपए अंतरित किए जाएंगे, यह राशि प्रतिमाह जारी होने वाली 1250 रुपए की राशि से अलग होगी। लाडली बहनों को प्रतिमाह जारी होने वाले 1250 रुपए पूर्वानुसार उनके खाते में जारी किए जाएंगे। उन्होंने जन्प्रतिनिधियों से रक्षाबंधन के पर्व पर सावन माह में अपने-अपने क्षेत्र की बहनों से राखी बंधवाने का आवहान भी किया। यह बात यादव ने आज कैबिनेट बैठक के दौरान कहीं।

गैर शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाए जाएंगे शिक्षक, डीपीआई ने जताई नाराजगी

सभी जिलों के कलेक्टर को आदेश जारी, पालन नहीं होने पर कार्यवाही का अल्टीमेटम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में गैर शैक्षणिक कार्य में लगाए गए शिक्षकों को अब उनकी मूल पदस्थापना में भेजा जाएगा। इसको लेकर लोक शिक्षण संचालनालय ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही कई जिलों में पूर्व में जारी आदेशों का पालन नहीं होने पर लोक शिक्षण आयुक्त ने नाराजगी जताई है।

जारी आदेश में पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए लोक शिक्षण आयुक्त ने कहा है कि भविष्य में शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य में लगाए जाने की स्थिति में संबंधित अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

पूर्व में जारी आदेशों का नहीं हो रहा पालन

प्रदेशभर के कलेक्टर, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संभागीय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण और जिला शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में दिशा निर्देश जारी करते हुए लोक शिक्षण आयुक्त शिल्पा गुप्ता ने कहा है कि शिक्षा का अधिकारी अधिनियम और न्यायालयीन प्रकरणों में पारित निर्णयों का उल्लेख करते हुए शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाए जाने के निर्देश समय-समय पर जारी किए गए हैं। इसके बाद भी प्रदेश के जिलों में शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा रहा है। आयुक्त ने आदेश दिए हैं कि गैर शैक्षणिक कार्य में लगाए गए सभी शिक्षकों को मूल पदस्थापना के लिए कार्यमुक्त कर शिक्षण कार्य में सुनिश्चित किया जाए।

समान छात्रवृत्ति के लिए तैयार होगा प्रस्ताव

व्यवस्था में सुधार अनुशंसा के लिए 14 सदस्यीय अंतर्विभागीय समिति गठित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर छात्रवृत्ति योजनाओं के सरलीकरण एवं एकरूपता लाने छात्रावासों की व्यवस्था में सुधार अनुशंसा करने के लिए 14 सदस्यीय अंतर्विभागीय समिति गठित की गई है। अंतर्विभागीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर व सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिये हमारी सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। प्रदेश के सभी छात्रावासों में बेहतर से बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इससे विद्यार्थियों को वहां रहकर पढ़ाई करने और अपना भविष्य संवारने के लिये एक अच्छा सुकून भरा सकारात्मक परिवेश उपलब्ध हो सकेगा। मंत्री शाह ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली अलग-अलग प्रकार की छात्रवृत्तियों में एकरूपता लाने और छात्रवृत्ति पाने के लिए विद्यार्थियों से मांगे जाने वाले दस्तावेज एवं छात्रवृत्ति स्वीकृति की प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए योजना का प्रस्ताव शीघ्र बनाया जाए। उन्होने कहा कि गैर शिक्षकीय कार्यों में संलग्न शिक्षकों को मूल पदस्थापना में भेजकर उनसे सिर्फ अध्यापन का कार्य लिया जाएगा। इससे बच्चों की पढ़ाई और बेहतर होगी, साथ ही इसके गुणवत्तापूर्ण व सफल परिणाम भी सामने आयेंगे।

अगले सप्ताह फिर होगी समिति की बैठक

बैठक में सभी विभागों के अधीन संचालित विभिन्न श्रेणी के छात्रावासों की वर्तमान स्थिति, निवासरत विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में मानव संसाधन व अधोसंरचनात्मक सुविधाओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। समिति अध्यक्ष डॉ. शाह ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी आपस में बैठक कर योजना प्रस्ताव जल्द तैयार कर लें। अगले सप्ताह मंगलवार को अपरान्ह में इस समिति की पुनः बैठक आयोजित कर प्राप्त योजना के प्रस्ताव पर विमर्श किया जाएगा।

एक समान छात्रवृत्ति के लिये प्रयास उदय प्रताप

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि छात्रवृत्ति राशि के अंतर पर विचार कर एक समान छात्रवृत्ति के लिये प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव व सचिव अपने स्तर पर बैठक कर योजना प्रस्ताव दें, ताकि अगली बैठक में इस पर पुनरू विचार विमर्श हो सके। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के अधिकाधिक विद्यार्थी शासकीय महाविद्यालयों में पढ़ें। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि छात्रवृत्ति की दरों में अन्तर को समाप्त करने और चिकित्सा शिक्षा के लिये विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिये हर जरूरी प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अचानक पहुंचकर फिर चौंकाया डाक्टरों व मरीजों को

हमीदिया के दो-दो औचक निरीक्षण से हड़कंप, नई सुविधा मिलने की आस बढ़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हमीदिया में मुख्यमंत्री मोहन यादव के दूसरे औचक निरीक्षण के बाद यह साफ हो गया कि अस्पताल की समय समय पर सामने आने वाली अव्यवस्थाएं सरकार की सीधी निगाह में हैं। लेकिन यह भी तय हो गया है कि हमीदिया अस्पताल को सुविधाओं के मामले में सरकार की तरफ से कुछ और सौगात जल्द मिलने वालीीहै। खुद इसके संकेत भी यादव ने दिये ।

द रअसल यादव सोमवार शाम को हमीदिया अस्पताल का औचक निरीक्षण करने आए तो यहां हड़कंप की स्थिति रही। हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल हो गया। अस्पताल के गेट के पास ही अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुमित टंडन उन्हें लेने पहुंचे। मुख्यमंत्री सबसे पहले ब्लॉक दो में बने स्त्री और प्रसूति रोग विभाग पहुंचे। यहां उन्होंने मरीजों के स्वजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल पूछा। एक बच्चे को देखकर मुस्कुराए और उनके बारे में जानकारी ली। उन्होंने शिशु रोग विभाग की व्यवस्थाएं देखीं। पहली, दूसरी, तीसरी

और चौथी मंजिल पर बने कई वार्ड में जाकर मरीजों के साथ उनके स्वजनों से बातचीत की। अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि विकास और स्वास्थ्य के मामले में हमारी सरकार बहुत गंभीर है। सरकार द्वारा लगाई जाने वाले राशि का उपयोग सही हो, जिससे जनता के बीच में एक विश्वास बनता है। सरकारी अस्पतालों में जनता का विश्वास भी है। हमारा प्रयास है कि इन सभी कामों में गुणवत्ता और दक्षता के साथ सभी अपनी ड्यूटी करें। उन्होंने कहा कि समय-समय पर निरीक्षण करने से स्वाभाविक रूप से एक विश्वास बनता है। अस्पताल एक ऐसा स्थान है, जहां जनता कष्ट में तुरंत दौड़कर आती है।

200 करोड के नए प्रस्ताव

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा काल चल रहा है। वर्षा काल में हमारे जो रेगुलर मरीज आ रहे हैं, वो स्वाभाविक रूप से आएंगे, लेकिन मरीजों को आने में कोई कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमीदिया अस्पताल प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है, जिसकी अपनी क्षमता 2250 बेड की है। अभी करीब 1850 बेड तैयार है। इनमें करीब 1400 मरीज हैं। हमारा अस्पताल का मैनेजमेंट चल रहा है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इसमें किसी को कठिनाई नहीं आए। कुछ नए काम की दृष्टि से यहां मेरे पास प्रस्ताव भी आए हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में मरीजों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगभग 199 करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव आए हैं। इनमें रीजनल इंस्टीट्यूट आफ रेस्पिरेटरी 35 करोड़, सेंटर आफ एक्सीलेंस और आर्थोपेडिक्स 42 करोड़ और कैंसर उपचार के लिए नई मशीनें 30 करोड़ रुपये के प्रस्ताव हैं। बोनमेरो सेंटर जल्दी शुरू किया जाएगा। पीजी छात्रों के लिए नया छात्रावास ब्लॉक 20 करोड़ का, एमआरआई सीटी मशीन जल्द ही 20 करोड़ की आने वाली है। नया एकीकृत ओपीडी ब्लॉक 35 करोड़ का ये हाईराइस बिल्डिंग बनेगी, नया यूजी छात्रावास 17 करोड़ का बनेगा।

गुरू की महिमा नाटिका, विचार और निबंध में बताई

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया, जिसका समापन सोमवार को हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई, छात्र संघ और साहित्य समिति ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया। पहले दिन रविवार को प्रिंसी पहलवानी ने भाषण और कनक विश्नोई ने कविता पाठ किया। इसके बाद 'गुरु, अनुग्रह और आभार' पर सत्र का आयोजन किया गया जिसमें, मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मधुरी सिंघल, प्रोफेसर, शासकीय एम. वी. एम. और आर्ट ऑफ लिविंग की आध्यात्मिक शिक्षक थीं। उन्होंने जीवन में जप और ध्यान के विभिन्न पहलुओं को रखा। कार्यक्रम का संचालन सोनिया शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने किया। दूसरे दिन की शुरुआत जीवन में गुरुओं का महत्व पर एक लघु नाटिका से हुई, जिसे नवप्रवेशित छात्राओं ने प्रस्तुत किया। लघु नाटिका में बताया कि शिक्षकों का छात्रों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है शिक्षक छात्रों को अमूल्य विचार प्रदान करते है जो उनके लिए जीवनभर की धरोहर बन जाते है।

शिविर: शारीरिक दिक्कतों से राहत की उम्मीद लेकर संतनगर आए लोग

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

प्राकृतिक चिकित्सा के सूत्र जानकर निरोगी काया के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से साधक-साधिकाएं आए हैं,जो 10 दिनों आरोग्य केन्द्र के आवासीय शिविर में स्वस्थ रहने की कला सीखेंगे। विशेषज्ञों की देखरेख में अपनी शारीरिक समस्याओं राहत पाएंगे। रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर की श्रंखला में नए शिविर की शुरूआत हुई, जिसमें साधक गण, अपक्षाहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योग, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज से लाभ की उम्मीद लेकर आए हैं। कार्यक्रम की शुरूआत पंजीयन एवं चिकित्सकीय परामर्श के साथ हुई। शुभारंभ व्याख्यान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गुलाब राय टेवानी ने दिया। टेवानी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य है प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के गुर सीखे। शिविर में आप दिनचर्या व उपवास की कला सीखेंगें जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें। साथ ही यहा आपका पंच तत्वों से उपचार किया जाएगा जैसे पृथ्वी जल अग्नि वायु आकाश। टेवानी ने कहा कि स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है, अपनी अस्वस्थ दिनचर्या में परिवर्तन कर स्वस्थ दिनचर्या को अपनाना। आप अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करेंगे तो ही आप स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे। साथ ही यह बताया गया कि औषधीय आहार लेगे तो दवाइयां भी कम होगी। अगर बीमारी से पूर्णतः निजात पाना है तो प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाना होगा।

विद्यार्थियों ने गुरू वंदना की, गुरूजनों का लिया आशीर्वाद

हिरदाराम नगर। साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय, संतनगर में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ ने दो दिवसीय गुरू पूर्णिमा पर्व मनाया, जिसका संचालन भारतीय ज्ञान, परम्परा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ डी.के.दुबे ने किया। कार्यक्रम में पहले दिन मुख्य अतिथि कमल प्रेमचन्दानी, भारत विकास परिषद् ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समाज एवं राष्ट्र को उच्च शिखर पर पहुंचाने का कार्य गुरू के बिना संभव नहीं है। विद्यार्थियों ने गुरूजनों का स्वागत तिलक लगाकर एवं श्रीफल देकर किया। प्राचार्य डॉ ए.के.सिंह ने कहा कि बिना गुरू के ज्ञान संभव नहीं है। प्रोफेसर डॉ बी.डी.पाण्डेय और प्रोफेसर डॉ सुमन मलिक ने शिक्षा में नैतिकता एवं वर्तमान शिक्षा में नैतिक मूल्यों का महत्व बताया। दो दिवसीय कार्यक्रम में विशेष अतिथि महेश चांदवानी ने कहा कि मनुष्य योग को अपने जीवन में अपनाकर मानसिक और शारिरिक रूप से स्वस्थ हो सकता है एवं रोगों से निजात पा सकता है। कार्यक्रम में डॉ बी.डी.पाण्डेय, डॉ सुमन मलिक ने शिक्षा में नवाचार विषय पर बात रखी।

मेट्रो एंकर

भोले के दरबार में गुरू पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

शिव महापुराण कथा वाचक मुकेशजी से सैकड़ों अनुयायियों ने गुरू दीक्षा ली

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भोले के दरबार में आयोजित गुरू पूर्णिमा पर्व में गुरू दीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिलाओं- पुरूषों ने गुरू मंत्र लिया। शिव कथा वाचक मुकेशजी महाराज ने गुरू दीक्षा दी। मुकेशजी महाराज ने कहा कि संसार की कामनाएं मनुष्य की मुक्ति के लिए बाधक हैं, इसीलिए सांसारिक कामनाएं पूरी करने के लिए गुरु नहीं बनना चाहिए। गुरु तो बंधन से मुक्ति दिलाने के लिए होता है, जो सांसारिक कामनाओं और वासनाओं का दमन बंधन से मुक्ति दिलाता है। उन्होंने कहा कि शिष्य को अपने गुरु के वचनों का पालन करके मनुष्य जन्म को सफल बनाना चाहिए। सदुरु अपने साधना तपस्याओं और जीवन के अनुभव तथा शास्त्रों की वाणी का ज्ञान देकर शिष्यों को जीवन की नैया पार लगाने का मार्ग बताते हैं इसीलिए शिष्य भी आलस्य को त्याग कर गुरु के वचन का पालन करें तभी उसका कल्याण है।

यह मौजूद रहे: सत्संग के बाद मुकेशजी का गुरु रूप में पूजन किया। इस अवसर पर भोले के दरबार के अध्यक्ष हीरो हिन्दू, बीजेपी नेता महेश खटवानी, अशोक तनवानी, माधव घनश्यानी, प्रभु दास मूलचंदानी, नानक दादलानी, राजकुमार दादवानी, प्रवीण होतवानी, सीमा लालवानी, भारतीय मूलचंदानी, पूर्व पार्षद संध्या प्रधान व सेवा दारी मौजूद थे।

बम-बम भोले के जयकारे से गूंजे शिवालय

मंदिरों में जल अभिषेक, विशेष पूजा अर्चना, भोले के दरबार में धूमधाम से मनाया सावन का सोमवार

हिरदाराम नगर। सावन के पहले सोमवार को संतनगर के मंदिरों दरबारों में शिव की साधना हुई, शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया। बेल, पत्र धतूरा चढ़ाया, विशेष पूजा अर्चना की। भोले के दरबार में शिव महापुराण कथा वाचक मुकेशजी ने सावन सोमवार पर विशेष पूजा अर्चना की। यहां शिव भजनों पर श्रद्धालु खूब थिरके। मुख्य मार्ग स्थित शिव मंदिर में महिलाओं ने सुबह-सुबह पूजा अर्चना की ओर भोले बाबा से सुख शांति,पति के दीर्घायु और देश दुनिया में सुख शांति के लिए प्रार्थना की। स्टेशन रोड़ शिव मंदिर भी पूजा अर्चना की। सुख सागर आश्रम में सावन के पहले सोमवार पर महंत बाबा रामदास उदासी ने कहा सावन के सोमवार पर जो महिलाएं व्रत रखकर कर कठिन तप्सया करती है,उनकी मनोकामना भोले भंडारी जरूर पूरी करते है। वहीं भोपाल इंदौर हाईवे पर बने शिव धाम में भी भक्तों की भीड़ सुबह से देखी गई,यहां पर लोगों ने बाबा को प्रसन्न करने के लिए पूजा अर्चना की।

गुफा मंदिर में लगा मेला: लालघाटी स्थित गुफा मंदिर में सावन के सोमवार पर लगने वाले मेले में सुबह भीड़ रही, मेले के साथ भक्तों ने बाबा से आशीर्वाद लेकर विशेष प्रार्थना की। बता दे की पिछले कई सालों से मंदिर में मेला लगाया जाता है, जिसका आनंद लेने के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से महिलाएं पुरूष बड़ी संख्या में आते है। संत नगर के नवयुवक सभा स्कूल में भी विशेष पूजा अर्चना की गई।

संसद में पेश किया गया था आर्थिक सर्वेक्षण

देश के आर्थिक सर्वेक्षण में नदी जोड़ो परियोजना और इंदौर सीएनजी प्लांट को मिली जगह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

देश के आर्थिक सर्वेक्षण 2023 में मप्र के दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को जगह मिली है। इनमें इंदौर का सीएनजी प्लांट और नदी लिंक परियोजनाएं हैं। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह सर्वेक्षण संसद में पेश किया है।

सीएनजी प्लांट की खासियत

स्वच्छ भारत मिशन के तहत इंदौर के 500 टन प्रतिदिन उत्पादन क्षमता वाले बायोफ्यूल प्लांट का उल्लेख सर्वेक्षण में केस स्टडी के रूप में किया गया है। उक्त प्लांट को 2021 में लगाया था। प्लांट करीब 44 से 45 हजार क्यूबिक मीटर बायो गैस प्रतिदिन बनाता है, जिससे करीब 17 हजार किलो बायो-सीएनजी प्रतिदिन बनती है। इस प्लांट से सालाना एक लाख तीस हजार टन कार्बन डायआक्साइड उत्सर्जन को रोकने में मदद मिली है। इंदौर के बायो-सीएनजी प्लांट की प्रसंस्करण क्षमता 400 मीट्रिक टन प्रतिदिन है। इससे जैविक कचरे का प्रसंस्करण होता है, जिससे प्रतिदिन 14.8 मीट्रिक टन बायो-सीएनजी और 80 मीट्रिक टन फरमेंटेड जैविक खाद बनती है।

नदी जोड़ो परियोजनाओं का भी जिक्र

नदी जोड़ो परियोजना के तहत केन-बेतवा लिंक परियोजना, परिवर्तित-पार्बती-कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना का उल्लेख भी किया है। केन- बेतवा लिंक परियोजना नेशनल पर्सपेक्टि-व प्लान के तहत पहली परियोजना है जिसका अनुमोदन 2021 में किया गया था। केंद्र सरकार ने इसके लिए 39,317 करोड रूपये दिए हैं।

मप्र सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल को हासिल करने वाले राज्यों में शामिल

सर्वेक्षण में नीति आयोग के सस्टेनेबल डेवेलपमेंट गोल के इंडेक्स 2023-24 का उल्लेख करते हुए बताया है कि जो दस नये राज्य सस्टेनेबल डेवेलपमेंट गोल हासिल करने में आगे रहे हैं उनमें मप्र भी शामिल है। वर्ष 2018 से 2023-24 के बीच मध्यप्रदेश 15 अंकों के साथ सर्वाधिक तेजी से आगे बढ़ते राज्यों शामिल है। सर्वेक्षण में किसान हितैषी नीति का भी जिक्र किया है। खासकर मप्र की भावांतर भुगतान योजना की चर्चा हुई है।

भाजपा में पहली बार सतह से बाहर आई बेचैनी

नागर की नाराजगी दूर करने में जुटी सरकार, अब मनाएगा दिल्ली दरबार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र की भाजपा सरकार में मंत्री नागर सिंह चौहान अपने विभाग कम करने से न सिर्फ नाराज हैं बल्कि उन्हें मनाने के प्रयास भी नाकाम हो रहे हैं। सरकार ने चौहान से वन एवं पर्यावरण विभाग लेकर कांग्रेस से आये रामनिवास रावत को सौंप दिया। इससे नाराज होकर चौहान ने कहा कि उनके पास मात्र अनुसूचित कल्याण विभाग बचा है और मेरे जिले में एससी समाज के लोग नाममात्र के हैं। ऐसे में मैं मंत्री पद त्याग कर विधायक के रूप में ही अलीराजपुर जिले की सेवा कर सकता हूं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में चौहान कह रहे हैं कि बाहर से लाए व्यक्ति के लिए मूल कार्यकर्ता को अपमानित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में प्रचंड बहुमत वाली भाजपा सरकार में पहली बार देखने में आया है जब किसी मंत्री से उसका विभाग लिए जाने के बाद उसने इस तरह की नाराजगी जाहिर की हो। नागर मंत्री पद से त्यागपत्र देने की बात कहने से भाजपा में हलचल है। कल से पार्टी नेता सक्रिय हैं और नागर को भी दिल्ली का बुलावा आ गया है। इसकी पुष्टि स्वयं चौहान ने करते हुए कहा कि वे आज को भोपाल से होते हुए दिल्ली जाएंगे। यहां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य पदाधिकारियों से उनकी भेंट होगी। उधर, भोपाल में पार्टी नेताओं के अलावा मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव से भी उनकी चर्चा होगी।

कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक के साथ चर्चा

चौहान की नाराजगी की खबर लगते ही कलेक्टर अभय अरविंद बेडेकर और पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास मंत्री के आलीराजपुर स्थित आवास पहुंचे। माना जाता है कि भोपाल से शुरू हुए डैमेज कंट्रोल के तहत दोनों अफसर वहां गये। करीब दो घंटे चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार कलेक्टर ने मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव से उनकी बात भी कराई।

कांग्रेस बोली, भाजपा में मची अंतर्कलह

प्रदेश कांग्रेस ने नागर सिंह चौहान द्वारा मंत्री पद से त्यागपत्र की पेशकश को भाजपा में मची अंतर्कलह का परिणाम बताया है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि दलबदलुओं को स्थान देने से भाजपा में कई वर्षों से जमें नेताओं, कार्यकर्ताओं में घुटन और बैचेनी अब स्पष्ट दिखाई दे रही है। इस अंर्तकलह से सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं। जनहित के कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

सीनियर आदिवीसी नेता है नागर

दरअसल अलीराजपुर जिले से चौथी बार विधायक नागर सिंह चौहान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं। 2003 में भाजपा की ओर से पहली बार टिकट मिलने के बाद वे विधायक बने। मध्य प्रदेश विधानसभा के 2008 और 2013 में हुए चुनाव में भी नागर सिंह चौहान ने जीत हासिल की थी। इस दौरान उनकी मांग पर आलीराजपुर को झाबुआ से अलग कर एक नया जिला बनाया गया था। 2018 में नागर सिंह चौहान विधानसभा चुनाव हार गए थे। इस दौरान वे अलीराजपुर में पार्टी द्वारा दिए दायित्वों को संभालते रहे। 2023 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने फिर उन्हें टिकट दिया और चौहान ने फिर जीत दर्ज की।दिसंबर 2023 में उन्हें मंत्री बनाया गया था।

जनजातीय क्षेत्रों में खुलेंगे 94 सीएम राइज स्कूल, 38 में इस साल से पढ़ाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में 94 सीएम राइज स्कूल्स स्थापित करने का कार्य शुरू कर दिया है। इन विद्यालयों के माध्यम से जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक व शारीरिक विकास सहित खेल एवं अन्य विधाओं की शिक्षा भी दी जाएगी। जनजातीय क्षेत्रों में स्थापित होने वाले 94 सीएम राइज स्कूल्स में से वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 38 सीएम राइज स्कूलों का निर्माण कार्य पूरा कर इनमें जल्द से जल्द पढ़ाई भी प्रारंभ कर दी जाएगी। इसके लिये स्कूलों का निर्माण एवं अन्य जरूरी विकास कार्य किये जा रहे हैं।

आगामी 10 सालों में प्रदेश में 9 हजार 200 सीएम राइज स्कूल्स शुरू करने की योजना

जनजातीय क्षेत्रों में सीएम राइज स्कूलों के निर्माण के लिये सरकार ने जारी वर्ष के सालाना बजट में 667 करोड़ रूपये आरक्षित कर दिए हैं। पहले चरण में 275 सीएम राइज स्कूल प्रारंभ किये जा चुके हैं। आगामी 10 सालों में प्रदेश में 9 हजार 200 सीएम राइज स्कूल्स शुरू करने की सरकार की योजना है। इन सीएम राइज स्कूल में के.जी. से कक्षा 12वीं तक संचालन की व्यवस्था के साथ अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। इन स्कूलों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये डिजिटल कक्षा, पूर्ण रूप से सुसज्जित प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय, कला, नृत्य, संगीत एवं योग शिक्षा की पढ़ाई की व्यवस्था भी की गई है।

स्कूलों में परिवहन की व्यवस्था, प्राचार्य हैण्ड-बुक

सीएम राइज स्कूलों में दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों को सुविधा देने की मंशा से परिवहन की व्यवस्था भी की जा रही है। प्राचार्यों को राष्ट्रीय स्तर के ख्याति-प्राप्त विद्यालयों में एक्सपोजर विजिट भी कराई गई है। शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को वैश्विक-मानकों के अनुरूप पूरा करने के लिये प्राचार्यों और शिक्षकों के लिये अलग-अलग हैण्ड-बुक तैयार की गई हैं। विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति के लिये सीएम राइज स्कूलों में स्टूडेंट डायरी भी तैयार की गई है। विद्यार्थियों के विचार, चिंतन, मंथन एवं प्रभावी शिक्षण के लिये आवश्यक टूल्स को डायरी के पृष्ठों में शामिल किया गया है। इसके जरिये विद्यार्थियों की रचनात्मक गतिविधियों एवं उनकी शैक्षणिक प्रगति पालकों को भी बताई जाएगी।

स्कॉलर के लिए मैनिट में 5 दिवसीय पीएचडी समर स्कूल का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) में 'पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर्स, रियल टाइम कंट्रोल एंड एप्लीकेशन' पर 5 दिवसीय पीएचडी समर स्कूल का उद्घाटन आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सोसायटी (पीईएलएस) के सहयोग से पावर इलेक्ट्रॉनिक्स पृष्ठभूमि वाले देश भर के पीएचडी विद्वानों के लिए किया गया है। इसका समापन 24 जुलाई को होगा। पाठ्यक्रम सीपीआरआई बेंगलुरु और आर्टेक सोलोनिक्स भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित है। पाठ्यक्रम का समग्र उद्देश्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के आगामी क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करना है। मैनिट के समन्वयक डॉ. सविता नेमा, डॉ. आरके नेमा और डॉ. शैलेंद्र जैन ने बताया कि भारत और विदेश के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा कर रहे हैं। देशभर के आईआईटी, एनआईटी और उद्योग सहित शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों से लगभग 50 से अधिक पीएचडी छात्र शामिल हो रहे हैं।

सर्जना यादव को अपर कलेक्टर बनाया, उज्जैन अपर आयुक्त को हटाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार के स्तर पर अफसरों के फेरबदल का क्रम जारी है। आइएएस सर्जना यादव को जबलपुर का अपर कलेक्टर बनाया है। वह मंडला के बिछिया में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थी। उधर उज्जैन नगर निगम से अपर आयुक्त राधेश्याम मंडलोई को हटाकर रीवा भेज दिया है। लोक निर्माण विभाग के भी दो अफसरों को बदला है। लोक निर्माण विभाग भोपाल की भवन शाखा के प्रभारी मुख्य अभियंता रहे एसएल सूर्यवंशी को परिक्षेत्र ग्वालियर भेजा है। सूर्यवंशी की जगह लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रभारी मुख्य अभियंता केशव सिंह यादव को जिम्मा दिया है। रीवा से संभागीय संयुक्त संचालक पवन सिंह को अपर आयुक्त उज्जैन बनाया है। जबकि नगर पालिका निगम भोपाल के उपायुक्त योगेंद्र पटेल को उज्जैन का उपायुक्त बनाया है।

मेट्रो एंकर | **कैबिनेट में प्रस्ताव पर चर्चा**

उद्यमियों को रिझाने के लिये आईटी नीति में बदलाव कर रही है मोहन सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मोहन कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में कई फैसले होने के आसार हैं. बैठक में आईटी नीति में संशोधन समेत कुछ अन्य अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिल सकती है। दरअसल, प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए मोहन सरकार नीतियों में परिवर्तन कर रही है। इसी क्रम में अब आईटी पॉलिसी में परिवर्तन किया जा रहा है। इस प्रस्ताव को आज की कैबिनेट बैठक में मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा मंदसौर जिले में धुंधडका तहसील बनाने का भी प्रस्ताव है। इसके लिए 20 पद स्वीकृत किए जाएंगे। इसे मिलाकर प्रदेश में कुल 449 तहसील हो जाएंगी।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को मंत्री परिषद की बैठक से पहले, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मध्य प्रदेश को हॉर्टिकल्चर और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला प्रथम पुरस्कार भेंट किया। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली के प्रगति मैदान में लगे एग्री एंड हॉर्टि एक्सपो में मंत्री श्री कुशवाहा को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया था।

गांवों का माहौल बदलने वाला है

राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित आत्मनिर्भर पंचायत समृद्ध मध्यप्रदेश कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि गांवों में भारत की आत्मा बसती है। गुलामी का दंश झेलने के बाद भी गांव का स्वाबलंबन नहीं बदला। गांवों की परिस्थिति नहीं बदली है।मुख्यमंत्री ने कहा है कि गांव के लोगों से निवेदन है कि जमीन मत बेचना। कर्जा ले लेना लेकिन जमीन मत बेचना। बदलते दौर में एमपी की स्थिति बदलने वाली है। एमपी के गांवों का माहौल बदलेगा। खेती से जो आमदनी बढ़ेगी, उससे अब हम पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ेंगे, यह मैं गारंटी ले सकता हूं। निश्चित रूप से पूरे क्षेत्र में बदलाव आने वाला है। किसान की आमदनी का साधन खेती और पशुपालन है।

संपादकीय

तकनीकी निर्भरता का नया खतरा

तकनीकी के घोडे पर सवार दुनिया इसकी सवारी की इतनी आदी होती जा रही है कि इसकी चला बिगड़ने से होने वाले नुकसानों से बेपरवाह है। वैसे तकनीक का इस्तेमाल दुनिया की जरूरत भी है, यह निजी और सरकारी दोनों ही संस्थानों के साथ ही आम शहरियों के लिये भी अनिवार्य हो चुकी है। तकनीकी संसाधनों पर निर्भरता बढ़ते जाने से व्यवसाय-वाणिज्य, निजी और दफ्तरी कामकाज में तेजी भी आई है, मगर एक खराबी किस कदर दुनिया की रफ्तार रोक देती है, इसका ताजा उदाहरण माइक्रोसाफ्ट के नए साफ्टवेयर की गड़बडी से समझा जा सकता है। माइक्रोसाफ्ट सर्वर में गड़बड़ी से दुनिया भर के दफ्तरों में कामकाज लगभग ठप्प हो गया, रफ्तार थम गई। विभिन्न देशों में चौदह सौ से ऊपर हवाई सेवाएं रद्द करनी पड़ीं और हजारों हवाई जहाज देरी से उड़ पाए। टेलीविजन प्रसारण, बैंक सेवाओं, शेयर बाजार के कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुए। हालांकि माइक्रोसाफ्ट के इंजीनियर इस गड़बड़ी को सुधारने में तत्परता से जुटे , मगर इतने भर से दुनिया भर में अरबों रुपए का कारोबार प्रभावित हो गया। दरअसल, माइक्रोसाफ्ट ने एक नया साफ्टवेयर तैयार किया है, जिससे उपभोक्ताओं को तेज, सुविधाजनक और सुरक्षित सेवा देने का दावा किया गया था। यह साफ्टवेयर क्लाउड सेवा से जुड़ा हुआ है। उसमें क्राउड स्ट्राइक नामक साइबर सेंधमारी से सुरक्षा प्रदान करने वाले 'एंटीवायरस' को अपडेट किया तो गड़बड़ी शुरू हो गई। कंप्यूटर अपने आप बंद चालू होने लगे। हालांकि कुछ महीने पहले एलन मस्क ने भी माइक्रोसाफ्ट के 'एज' नामक नए साफ्टवेयर की व्यावहारिकता पर सवाल उठाया था। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि यह साफ्टवेयर अव्यावहारिक है, जो कई कंप्यूटरों से एक साथ जुड़ जाता है और इस तरह इसकी सुरक्षा विश्वसनीय नहीं रह जाती। मगर तब माइक्रोसाफ्ट की तरफ से जवाब में कहा गया था कि यह साफ्टवेयर उपभोक्ता को कहीं भी बैठकर आसानी से काम करने की सुविधा देता है। इसमें सेंधमारी का खतरा नहीं रहता। अब फिर से इस साफ्टवेयर की विश्वसनीयता संदिग्ध हो गई है। फिलहाल यह दावा करना मुश्किल है कि किसी साइबर अपराधी ने ऐसी गड़बड़ी पैदा की, पर ऐसी हरकत से इनकार नहीं किया जा सकता। जैसे-जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर लोगों की निर्भरता बढ़ती गई है, वैसे-वैसे इसके खतरे भी बड़ते गए हैं। साइबर सेंधमार लोगों के बैंक खातों, दफ्तरों के दस्तावेजों, कंपनियों के लेखा-जोखा वगैरह में सेंधमारी करने लगे हैं। हर इलेक्ट्रानिक उपकरण निर्माता कंपनी साइबर सेंधमारी रोकने के लिए वायरसरोधी उपाय करती है। जो कंपनी इसमें पिछड़ जाती है, वह बाजार में भी पिछड़ जाती है। माइक्रोसाफ्ट ने भी इसी समस्या से बचाने के लिए नई तकनीक ईजाद करने का दावा किया था। हर नई तकनीक में प्रायोगिक स्तर पर कुछ न कुछ अड़चन आती है। मगर जब कोई भरोसेमंद कंपनी अपने किसी उत्पाद को बड़े पैमाने पर बाजार में उतारती है, तो पहले यह सुनिश्चित कर लेती है कि वह पूरी तरह कारगर है। न जाने कैसे माइक्रोसाफ्ट से यह चूक हो गई कि इस साफ्टवेयर को लेकर आ रही शिकायतों को नजरअंदाज करते हुए इसे बाजार में चलाए रखा। माइक्रोसाफ्ट एज नामक तकनीक उपयोगी और सुविधाजनक हो सकती है, मगर पूरी तरह भरोसेमंद बन जाने से पहले उसे बाजार में इतने बड़े पैमाने पर नहीं वितरित किया जाना चाहिए था। जिस एंटीवायरस की वजह से ताजा समस्या आई बताई जा रही है, उसके परीक्षण में भी कही न कहीं चूक हुई। इस साफ्टवेयर की गड़बड़ी को दुरुस्त कर लिया गया हैल लेकिन जो आर्थिक नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई तो संभव नहीं है। बेहतर है कि बेहद सुरक्षित व अभेद तकनीक का विकास किया जाए।

राजनीतिक आर्थिक मोर्चे पर सवाल विश्वसनीयता और आत्मविश्वास का

■आलोक मेहता

भारत की आर्थिक नीतियों में क्रन्तिकारी बदलाव का बहुत बड़ा श्रेय डॉक्टर मनमोहन सिंह को दिया जाता है। वह पी वी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री थे। इसलिए जुलाई 2024 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले 2024 - 25 के बजट और संसद के अंदर और बाहर राजनीतिक मंचों पर संभावित गंभीर और उत्तेजक बहस तथा टकराव पर मनमोहन सिंह की कुछ बातें ध्यान में लाना उचित लगता है। डॉक्टर मनमोहन सिंह ने में अपनी सरकार और प्रधान मंत्री राव पर आर्थिक गड़बड़ियों को लेकर लग रहे गंभीर आरोपों के सवाल पर जून 1993 में एक इंटरव्यू में कहा था - लोकतंत्र में आरोपों के विवाद स्वाभाविक हैं। इसलिए मुझे विवादों से चिंता नहीं होती । लेकिन मुझे लगता है कि देश में सभी पक्षों के लिए एक आचार संहिता की आवश्यकता है , ताकि आरोपों और विवादों से राजनीति के प्रति जनता का विश्वास ही उठ जाए । आड़िरकार देश में सामाजिक बदलाव राजनीति और लोकतंत्र से ही आता है । यदि देश में यह वातावरण बना दिया जाए कि सत्ता की राजनीति में सभी धूर्त (क्रूक) हैं और देश के नेतृत्वकर्ता की विश्वसनीयता को चोंट पहुंचाएंगे तो देश के उज्जवल भविष्य को क्षति के साथ जनता के कल्याण में भी बाधा पड़ेगी । उनका यह विचार वर्तमान दौर की राजनीति में अधिक महत्व मिलना चाहिए ।

डॉ. मनमोहन सिंह अब संसद में नहीं हैं , लेकिन पूर्व प्रधान मंत्री और कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ बुजुर्ग नेता के नाते राहुल गाँधी और उनकी खास सलाहकार मंडली ही नहीं गठबंधन के नाम पर जुड़े कुछ सहयोगी दलों के अति उग्र नेताओं को उन वियचरों को ध्यान में रखकर राजनीतिक आर्थिक मुद्दों पर अधिक जिम्मेदारी से काम करना शोभाजनक होगा । इसमें कोई शक नहीं कि बेरोजगारी और मंहगाई प्रतिपक्ष के लिए हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है । संपन्न विकसित देशों में भी इस समस्या पर संसद में आवाज उठती है । इसलिए नए बजट में सरकार इस समस्या से निपटने की योजना , बजट प्रावधान का विवरण देगी । लेकिन हाल के वर्षों में राहुल गाँधी सहित विरोधी नेताओं ने सरकारी नौकरियों और आरक्षण को संघर्ष का आधार बना लिया है । जबकि विश्व में कहीं भी सरकारी नौकरियों को एकमात्र हल नहीं समझा गया । भारत में असंगठित क्षेत्र में दैनिक काम करने वाले स्वतंत्र इलेक्ट्रिशन्स , प्लम्बर , कारीगर , ठेले खोमचे पर सामान बेचने वाले , छोटी दुकानों पर काम करने वाले , बच्चों को पड़ाने वाले प्राइवेट ट्यूटर जैसे लाखों लोगों की संख्या का कोई अधिकृत सर्वे रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होता है । यही नहीं फिलहाल किसी छोटे प्राइवेट संस्थान या व्यापार में लगे युवा भी नौकरियों की परीक्षाओं में बैठ जाते हैं । इन परीक्षा देने वालों को बेरोजगार कहते हुए हंगामा कर दिया जाता है । कौशल विकास केन्दों पर हाल के वर्षों में लाखों युवाओं को प्रशिक्षण मिला और उन्हें कहीं न कहीं अच्छी आमदनी वाला काम मिल रहा है । सार्वजानिक क्षेत्र में कुछ कम्पनियाँ सफल और मुनाफे में हैं , लेकिन बीमार घाटे वाली सरकारी कंपनियों में रोजगार देते रहने की मांग वे नेता कर रहे , जो भारत में कम्प्यूटर क्रांति लाने का दावा करते रहे हैं । कई कम्युनिस्ट देशों में अब ढर्रा बदला है । लघु उद्यम और स्व रोजगार को महत्व मिल रहा है । इसलिए भारत में मैनुफैक्चर और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों में अधिकाधिक विस्तार , कृषि के कामकाज में आधुनिकीकरण और रक्षा संसाधनों के निजी कारखानों आदि में देशी विदेशी पूंजी बड़े पैमाने पर लगाने के लिए हर संभव प्रयास की जरुरत है । केवल विरोध के लिए समाज में निराशा पैदा करने और सत्ता व्यवस्था के विरुद्ध

नफरत की आग लगाने से लोकतंत्र ही कमजोर होगा ।

सरकार ही नहीं आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि भारत की जीडीपी वृद्धि । प्रतिशत होगी । संगठन का तर्क है कि बेहतर निजी खपत, विशेष रूप से ग्रामीण भारत में, इस वृद्धि दृष्टिकोण के लिए जिम्मेदार है। 2024 में भारत दुनिया की जीडीपी रैंकिंग में 5वें स्थान पर है। भारत की अर्थव्यवस्था विविधता और तेज विकास का दावा करती है, जिसे सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा, कृषि और विनिर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। देश अपने व्यापक घरेलू बाजार, एक युवा और तकनीकी रूप से कुशल श्रम शक्ति और एक विस्तारित मध्यम वर्ग का लाभ उठाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भारत का रोजगार बाजार बढ़ रहा है और दुनिया भर के प्रमुख लोग इस बात की भविष्यवाणी कर रहे हैं कि भारत जल्द ही एक महाशक्ति बनेगा। पीएम मोदी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, ÷वित्त वर्ष 2014-23 में देश में 12.5 करोड़ नौकरियां पैदा होने, ईपीएफओ ग्राहकों की संख्या दोगुनी होने और 2030 तक भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, भारत का भविष्य उज्ज्वल दिखता है।÷

द ग्रेट इंडियन जॉब स्टोरी÷, पर , पीएम मोदी ने जो पोस्ट किया है, उसके अनुसार 69 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि देश की अर्थव्यवस्था सही दिशा में आगे बढ़ रही है। जबकि, ऐसा मानने वाले दुनिया में लोगों का औसत 38 प्रतिशत है। यह घरेलू खपत के कारण हुआ है कि भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और ब्रिक्स और जी। शिखर सम्मेलन जैसे मंचों पर उसका प्रभाव बढ़ा है।इसमें दर्शाया गया है कि वित्त वर्ष 2014-23 तक 12.5 करोड़ नौकरियां देश में सृजित हुई यानी प्रति वर्ष औसतन 2 करोड़ नौकरियां भारत में पैदा हुई। वहीं, श्रमिकों की आय में 56त वृद्धि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान हुई है। इसके साथ ही इसमें दिखाया गया है कि भारत का एआई बाजार 202। तक ।। अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इसके साथ ही भारत 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है।

इससे पहले भारतीय स्टेट बैंक की तरफ से एक आंकड़ा जारी किया गया था, जिसमें बताया गया था कि भारत में वित्त वर्ष 2014 से लेकर वित्त वर्ष 2023 के बीच 12.5 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं, जो कि वित्त वर्ष 2004 से वित्त वर्ष 2014 के मुकाबले 4.3 गुना ज्यादा है। इस रिपोर्ट में बताया गया कि अगर कृषि से जुड़े रोजगार को अलग कर दिया जाए तो वित्त वर्ष 2014 से वित्त वर्ष 2023 के बीच मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में 8.9 करोड़ रोजगार पैदा हुए। वहीं, वित्त वर्ष 2004 से वित्त वर्ष 2014 के बीच 6.6 करोड़ नए रोजगार के अवसर पैदा हुए।रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि एमएसएमई मंत्रालय के पास पंजीकृत सूक्ष्म, लघु और मध्यम इंटरप्राइजेज में रोजगार का आंकड़ा 20 करोड़ को पार कर गया है। एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर 4 जुलाई तक के आंकड़े के अनुसार, 4.68 करोड़ पंजीकृत एमएसएमई में 20.20 करोड़ लोगों को रोजगार मिल रहा है। इसमें से 2.3 करोड़ नौकरियां जीएसटी से छूट वाले अनौपचारिक सूक्ष्म इकाइयों में मिल रही है। एमएसएमई में पिछले साल जुलाई के मुकाबले नौकरियों में 66 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि सरकार द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस किए जाने के कारण कंस्ट्रक्शन सेक्टर में रोजगार के अवसर में काफी इजाफा हुआ है।

दुनिया के अन्य प्रमुख देशों की स्थिति पर भी नजर डाली जाए । संयुक्त राज्य अमेरिका प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था और सबसे अमीर देश के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखता है । इसकी अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय विविधता है, जो सेवाओं, विनिर्माण, वित्त और प्रौद्योगिकी सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों द्वारा संचालित है। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है, नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देता है, लचीला बुनियादी ढांचा है, और लाभप्रद व्यावसायिक परिस्थितियों का अनुभव करता है।एशिया में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन है, जिसका 2024 में नाममात्र जीडीपी 18,536 बिलियन डॉलर से अधिक होगा। एशिया की जीडीपी रैंकिंग में जापान और भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। चीन ने अपनी आर्थिक प्रगति में उल्लेखनीय उछाल देखा है, जो 1960 में चौथे स्थान से बढ़कर 2023 में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। चीनी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से विनिर्माण, निर्यात और निवेश पर निर्भर करती है। इसके पास एक व्यापक कार्यबल, मजबूत सरकारी समर्थन, बुनियादी ढांचे की प्रगति और तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार से चलती रही है। पिछले सप्ताह चीन सरकार और पार्टी ने नई आर्थिक चुनौतियों पर लम्बी चौड़ी बैठकें की है ।

जर्मन अर्थव्यवस्था निर्यात पर विशेष ध्यान देती है और इंजीनियरिंग, ऑटोमोटिव, केमिकल और फार्मास्युटिकल क्षेत्रों में अपनी सटीकता के लिए प्रसिद्ध है। यह अपनी कुशल श्रम शक्ति, मजबूत अनुसंधान और विकास पहलों और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक स्पष्ट प्रतिबद्धता से लाभ प्राप्त करती है।जापान की उल्लेखनीय अर्थव्यवस्था अपनी प्रगतिशील तकनीक, विनिर्माण कौशल और सेवा उद्योग द्वारा प्रतिष्ठित है। प्रमुख क्षेत्रों में ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक, मशीनरी और वित्तीय क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा, जापान अपनी अटूट कार्य नीति, अग्रणी तकनीकी प्रगति और बेहतरीन गुणवत्ता के असाधारण निर्यात के लिए मान्यता प्राप्त करता है।ब्रिटैन की अर्थव्यवस्था में सेवाओं, विनिर्माण, वित्त और रचनात्मक क्षेत्रों का मिश्रण शामिल है। लंदन एक वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो विदेशी निवेश को आकर्षित करता है। इसके व्यापार गठबंधन और वैश्वीकरण भी उसके आर्थिक विस्तार को आकार देते हैं। फिर भी इस समय वह आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है । फ्रांस की अर्थव्यवस्था विविधतापूर्ण है, जिसमें एयरोस्पेस, पर्यटन, विलासिता के सामान और कृषि जैसे उद्योगों पर जोर दिया जाता है। फ्रांस अपनी मजबूत सामाजिक कल्याण प्रणाली, अच्छी तरह से विकसित बुनियादी ढांचे और अनुसंधान और विकास में पर्याप्त निवेश के लिए प्रसिद्ध है।इटली यूरोपीय संघ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में एक अत्यधिक विकसित बाजार का दावा करता है। यह देश अपने प्रभावशाली और अग्रणी व्यापार क्षेत्र और मेहनती और प्रतिस्पर्धी कृषि उद्योग के लिए जाना जाता है।

इस तरह विश्व अर्थव्यवस्था तथा अमेरिका , यूरोप , चीन तथा रूस के बीच टकराव , युद्ध जैसी स्थितियों के कारण उत्पन्न तनाव के बीच मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट बड़ा आर्थिक दस्तावेज होगा। इस बजट से अन्य बातों के अलावा, 204। तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप मिलने की उम्मीद है। आवश्यकता इस बात की है कि जनता के व्यापक हितों , दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखकर संसद में सहमति असहमति के साथ सकारत्मक चर्चा हो , सरकार के कामकाज में सुधार के लिए आवाज भी उठती रहे । इससे सम्पूर्ण राजनीतिक व्यवस्था की विश्वसनीयता बनी रह सकती है

सौरमंडल को समझने का ज्ञान देता है चंद्रमा

■ योगेश कुमार गोयल

चंद्रमा की सतह पर मानव द्वारा पहली लैंडिंग की वर्षगांठ के रूप में 20 जुलाई को वर्ष 2022 से 'अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस' मनाया जा रहा है। इस वर्ष तीसरा अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस 'छाया को रोशन करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इसका लक्ष्य आम जनता को यह बताना है कि स्थायी चंद्र अन्वेषण करना कितना महत्वपूर्ण है। जैसे-जैसे अधिक मिशन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचेंगे, वैसे-वैसे इसका रहस्य उजागर होता जाएगा और छायाएं हमेशा के लिए प्रकाशित हो जाएंगी। इससे मानव जाति के लिए चंद्रमा की खोज और उससे लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

वर्ष 2023 में यह दिवस 'मानवता के लिए नई चंद्र यात्रा की शुरुआत' थीम के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस मनाने का आवेदन संयुक्त राष्ट्र कार्यालय फॉर आउटर स्पेस अफेयर्स को प्रस्तुत किया गया था। संयुक्त राष्ट्र समिति के 64वें सत्र के दौरान 2017 में बने एक गैर-सरकारी संगठन 'मून विलेज एसोसिएशन' ने बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग पर एक आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसमें 20 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस के रूप में नामित करने का अनुरोध किया गया था। दरअसल, 'मून विलेज एसोसिएशन' सरकारों, उद्योग, शिक्षा जगत तथा मून विलेज के विकास में रुचि रखने वाली जनता के लिए एक स्थायी वैश्विक अनौपचारिक मंच के रूप में कार्य करता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 9 दिसम्बर, 2021 को इस एसोसिएशन तथा संगठन के भीतर कई अन्य समूहों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को मान्यता प्रदान की, जिसके बाद वैश्विक समुदाय द्वारा यह दिवस 20 जुलाई, 2022 को पहली बार मनाया गया।

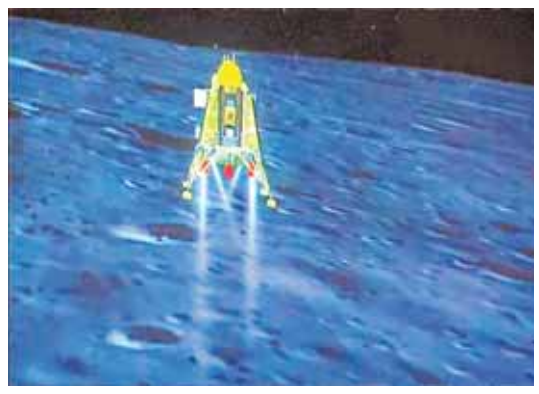

भारत के लिए इस दिवस का महत्व बहुत ज्यादा है क्योंकि पिछले साल 14 जुलाई को चंद्र मिशन के तहत 'चंद्रयान-3' लांच किया गया था और चंद्रयान-3 मिशन के जरिये 23 अगस्त, 2023 को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक अविस्मरणीय अध्याय लिखते हुए भारत ने ऐसा स्वर्णिम इतिहास रचा था, जिससे अभी तक दुनिया के तमाम देश कोसों दूर हैं। दरअसल चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के जिस बेहद रहस्यमय और गुमनाम दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखे थे, वह चंद्रमा का बेहद खतरनाक क्षेत्र माना जाता है। इस मिशन की सफलता के साथ ही भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद चंद्रमा पर पहुंचने वाला चौथा देश बन गया था। चंद्रयान-3 मिशन की बड़ी सफलता के बाद इसरो अब चंद्रयान-4 मिशन को लांच करने की तैयारियों में जुटा है। भारत के इस चौथे मून मिशन को 2028 तक लांच किए जाने की संभावना है। चंद्रयान-4 को चांद से मिट्टी के नमूने लाने के लिए बनाया जा रहा है, जो 'शिव शक्ति' बिंदु से पृथ्वी पर चंद्र नमूने वापस लाएगा। अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस मनाने का उद्देश्य चंद्रमा के सतत उपयोग और अन्वेषण तथा चंद्र ग्रह पर और उसके आसपास की गतिविधियों के नियमों की आवश्यकता को शिक्षित करना और बढ़ावा देना है। वैसे यह जानना भी दिलचस्प है कि चंद्रमा पर 14-15 दिन तक सूर्य निकलता है और बाकी के 14-15 दिन अंधेरा रहता है। यही नहीं, चंद्रमा का एक दिन हमारे 29.5 दिन के बराबर होता है। जहां तक 20 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस' मनाए जाने की बात है तो 20 जुलाई, 1969 पूरी दुनिया के लिए एक ऐतिहासिक दिन था क्योंकि उस दिन पहली बार धरती से गए किसी इंसान ने चंद्रमा की सतह पर कदम रखा था। अमेरिकी अंतरिक्ष उड़ान 'अपोलो-11' मिशन के हिस्से के रूप में अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले मानव थे। नील आर्मस्ट्रांग ने जब चंद्रमा की सतह पर पहला कदम रखा था, तब कहा था कि यह एक आदमी के लिए एक छोटा कदम है लेकिन मानव जाति के लिए एक बड़ी छलांग है।

समस्त मानव जाति के लिए चंद्रमा पर पदार्पण एक ऐसा ऐतिहासिक कार्य था, जिसके बाद विज्ञान और अंतरिक्ष को देखने का दुनिया का दृष्टिकोण ही बदल गया। दरअसल, हजारों वर्षों से मानव सभ्यताएं हमारे एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह चंद्रमा की उत्पत्ति और रहस्यों पर विचार करते हुए आकाश की ओर देखती रही हैं। हालांकि, चंद्रमा की उत्पत्ति को लेकर वैज्ञानिकों द्वारा कई तरह के सिद्धांत दिए गए हैं, जिनमें से सर्वाधिक मान्य 'बिग इम्पैक्ट थ्योरी' ही है, जिसके अनुसार कई अरब वर्ष पूर्व मंगल ग्रह के आकार का एक पिंड हमारी पृथ्वी से टकराया और उस टकराव के परिणामस्वरूप पृथ्वी की ऊपरी सतह टूटकर अंतरिक्ष में बिखर गई। पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव के कारण वह मलबा पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाने लगा और धीरे-धीरे एक पिंड के रूप में बदल गया और इस प्रकार पृथ्वी के प्राकृतिक उपग्रह चंद्रमा का जन्म हुआ। पृथ्वी से हुई टक्कर के परिणामस्वरूप ही पृथ्वी अपने अक्ष से 23.5 डिग्री झुक गई और उसी के बाद पृथ्वी पर विभिन्न ऋतुओं का जन्म हुआ तथा पृथ्वी के घूर्णन में स्थिरता आई। उस टक्कर की वजह से ही पृथ्वी पर जीवन के उद्भव के लिए अनुकूल पर्यावरण का जन्म हुआ। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के मुताबिक यदि हमें पृथ्वी को समझना है तो उसके लिए पहले चंद्रमा को समझना जरूरी है क्योंकि उसके बगैर हम अपने सौरमंडल को भी सही ढंग से नहीं समझ सकते।

– साभार

आज का इतिहास

- 1540 तुर्की ने जानोस सिगीसमंद जपोलयाइ को हंगरी के राजा के रूप में मान्यता दी।
- 1726 बेंजामिन फ्रैंकलिन फिलाडेल्फिया के लिए वापस रवाना हुए।
- 1764 जेम्स ओटिस ने बिना प्रतिनिधित्व के कराधान पर अपने विचार प्रकाशित किये।
- 1829 विलियम ऑस्टिन बर्ट को टाइपोग्राफर, पहले व्यावहारिक टाइपराइटिंग मशीन के लिए पेटेंट से सम्मानित किया गया था।
- 1829 अमेरिका के विलियम ऑस्टिन बर्ट ने टाइपोग्राफ का पेटेंट कराया था, जिसने टाइपराइटर की नींव रखी।
- 1840 कनाडा के प्रांत संघ के अधिनियम द्वारा बनाए गए।
- 1863 उत्तरी लंदन में एलेक्जेंड्रा पार्क खोला
- 1881 इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जिमनास्टिक्स, दुनिया का सबसे पुराना खेल संघ, लीज, बेल्जियम में स्थापित किया था।
- 1903 फोर्ड मोटर कंपनी ने अपनी पहली कार बेची।
- 1905 अल्फ्रेड डीकीन दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री बने।
- 1914 आस्ट्रिया-हंगरी ने सर्बिया को आर्चड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड की हत्या की जांच करने के लिए एक अल्टीमेटम के साथ प्रस्तुत किया, कि सिर्बिया अंततः अस्वीकार कर देगा, जिससे प्रथम विश्व युद्ध शुरू हो जाएगा।
- 1927 इंग्लैंड और यॉर्कशायर के विल्फ्रेड रोड्स 1,000 प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैचों में एकमात्र व्यक्ति बन गए।
- 1942 होलोकास्ट-द गैस चैंबर्स ट्रेब्लिंका एक्सट्रिमिनेशन कैंपबेगन ऑपरेशन में, युद्ध से निकाले गए 6,500 यहूदियों को घेट्टो में एक दिन पहले देखा गया था।
- 1952 यूरोपीय कोयला और इस्पात समुदाय की स्थापना की गयी।

गालिब दुनिया में वाहिद शायर है जो समझ में न आए तो दुगना मज़ा देता है।

– मुश्ताक़ अहमद यूसुफ़ी

निशाना

नया अब जुड़ाव !

कायाकल्प कर रहे ।
दिखना तय बदलाव ।।
कर के रहेंगे जल्द ।
नया अब जुड़ाव ।।
कोशिश लगातार है ।
कर पाएं कुछ हल ।।
सोच रहे हैं हम भी ।
सवरें अपना कल ।।
उत्तर देना भारी है ।
दिखता नहीं सुधार ।।
बच सकते हैं उससे ।
होता जो प्रहार ।।
होना असरदार यदि ।
करना फिर प्रयास ।।
समय आज है आन ।
होगा बनना ख़ास ।।

– कृष्णेन्द्र राय

एक महीने से नहीं हुआ किसानों की मूंग का भुगतान, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सौंपा राज्यपाल के नाम ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

समर्थन मूल्य में की जा रही मूंग खरीदी के बाद किसानो को आरही भुगतान संबंधित ओर आम लोगों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राजपाल के नाम का ज्ञापन सिवनी मालवा एसडीएम को सौंप कर विभिन्न मांगों की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की

उन्होंने ज्ञापन में बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा की जा रही मूंग खरीदी को लगभग एक माह हो चूका है, लेकिन किसान को आज दिनांक तक मूंग का भुगतान नहीं किया गया है, जल्द से जल्द भुगतान कराये जाना सुनिश्चित करे।

सरकार व् प्रशासन की लापरवाही के कारण अभी तक बहुत सारे किसानो से मूंग उपार्जन का कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है, अत मूंग उपार्जन की अवधि बढाई जाए।

क्षेत्र में किसानो की धान की फसल रोपाई का काम चल रहा है लेकिन बिजली विभाग द्वारा अघोषित बिजली कटोती की जा रही है, जिससे किसान बहुत परेशान हे, किसानो को 10 घंटे बिजली देना सुनिश्चित करवाए।

नगर व् ग्रामीण क्षेत्र में आवारा पशुओ की समस्या को गंभीरता से ले कर उसका समाधान हो, नगर पालिका के कांजी हाउस को तत्काल शुरू करने व् ओवर ब्रिज सोयाबीन प्लांट के सामने वाले हिस्से में। अस्थायी गो शाला बनाई जाए। अगर शीघ्र मांग पूरी नहीं होती है तो कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता चरणबद्ध आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

अवैधानिक मत्स्याखेट में आखेटित मत्स्य विक्रय पर कार्यवाही जारी

नर्मदापुरम। मत्स्य विभाग एवं राजस्व टीम तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध मत्स्य विक्रय पर कार्यवाही की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोहागपुर विकासखण्ड के शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से मत्स्य विक्रय पर कार्यवाही करते हुए अवैध मछली जप्त कर नीलामी की कार्यवाही की गई। नीलामी में प्राप्?त चार हजार 500 रूपये की राशि चालान के माध्यम से शासन के मद में

जमा की गई। इसी क्रम में पिपरिया के मछली बाजार से भी मछली जप्त कर मछली नीलाम कर एक हजार 5 सौ 50 रूपये की राशि चालान के माध्यम से शासन के मद में जमा की गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने बंद ऋतु 16 जून से 15 अगस्त तक आवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय एवं मत्स्य परिवहन पर प्रतिबंध लगाया है। कार्यवाही के पश्चात संयुक्त दल द्वारा आसपास के सभी मत्स्य विक्रेताओ को जारी प्रतिबंध के बारे में अवगत कराया गया और बताया गया कि उल्लंघन की दशा में मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1981 की धारा 5 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

बालिका छात्रावास में हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

सिवनी मालवा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास में प्रमुख खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डॉ जयसिंह कुशवाह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम डॉक्टर आदिल खान सर एवं डॉक्टर दीप माला मौर्य के द्वारा सभी छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। सभी छात्राओं को डॉक्टर के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर बीमार बच्चों को दवाईयां दी एवम मौसमी बीमारी से बचने की सलाह के साथ खान पान, साफ सफाई सम्बन्धित विभिन्न जानकारियां दी गई।

विभाग अधिक से अधिक पौधारोपण कर वायुदूत ऐप में अपलोड करें - कलेक्टर

एयर एम्बुलेंस सेवा से गंभीर रूप से बीमार, घायल व्यक्तियों को एयर लिफ्ट किया जाए: कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
कलेक्टर कार्यालय में सोनिया मीना की अध्यक्षता में सोमवार को समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने समस्त विभागों के अधिकारी/कर्मचारी को निर्देश दिए की शासन द्वारा निर्धारित समय में कार्यालय में अनिवार्य रूप से अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। समस्त विभाग अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए अनिवार्य रूप से सार्थक ऐप को जल्द लागू करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सोनिया मीना ने बैठक में जिले के समस्त विभागों के अधिकारियों को बताया कि सभी अपने-अपने कार्यालयों एवं अधीनस्थ कार्यालयों में भी सार्थक ऐप चालू करवाएं। सार्थक ऐप से अपनी उपस्थिति, अवकाश और वेतन आदि जानकारी सार्थक ऐप के माध्यम से ऐप में फीड कर सकते है। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि टीम वर्क से पौधारोपण अधिक से अधिक कराएं और वायुदूत ऐप में पौधे का नाम और संख्या डाले। प्रत्येक ग्राम, विकासखंड, जनपद स्तर एवं तहसील स्तर पर अधिक से अधिक पौधारोपण कराएं।

शासन विभिन्न योजनाओं एवं निर्देशों का पालन सभी विभाग करें, शासन के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना करें। उन्होंने नगर पालिका सीएमओं को निरंतर शिविर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम और सीएमओं से संचालित गौशालाओं की जानकारी ली। गौशालाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जो भी पशुपालक अपने पशुओं को रोड पर छोडता है उन पर पेनाल्टी लगाए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संर्वधन अभियान अंतर्गत किए जा रहें कार्यो एवं टारगेटों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश समस्त जनपद सीईओ और नगर पालिका सीएमओं तथा संबंधित विभागों को निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने मुख्य रूप से मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी एवं एसडीएम को निर्देशित किया है कि एयर एम्बुलेंस सेवा से जिले के गंभीर रूप से बीमार और घायल व्यक्तियों को एयर लिफट करें। उन्होंने सीएमएचओं को निर्देशित किया कि स्कूली एवं छात्रावासों के बच्चों के लिए पर्याप्त वैक्सीन बुलवाए। उन्होंने सीएमएचओं से कहा की बारिश के दौरान होने वाली बीमारियों से बचाव हेतु स्वास्थ्य सुविधा करके रखें।

बैठक में कलेक्टर ने श्रम विभाग से संबल योजना 2.0 की लाभार्थी, लंबित प्रकरणों एवं आवेदनों के समय सीमा निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने समस्त विभागों को निर्देशित किया कि ई-केवाईसी एवं पेंशन प्रकरणों का निराकरण करें। कलेक्टर ने खादय विभाग को निर्देशित किया कि खाद्यान पर्जी में पात्र एवं अपात्र व्यक्तियों की सूची तैयार कर उनका निराकरण करें। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को से कहा कि जिले में बालक/बालिका गृह समिति का गठन करें। बाल देखरेख संस्थाओं का निरीक्षण भी करें।

बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम और उप संचालक कृषि को निर्देशित किया कि वे उर्पाजन केन्द्रों में खरीदी कार्य में तेजी लाए। खरीदी केन्द्रों पर किसी भी प्रकार की परेशान ना हो इसका विशेष ध्यान रहें। उन्होंने उप संचालक कृषि को निर्देशित किया कि बोनी एवं मूंग उर्पाजन, स्लाट बुकिंग की विस्तृत जानकारी लें। उन्होंने सभी एसडीएम को बोनी एवं मूंग उर्पाजन, स्लाट बुकिंग की मानिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने पीएचई विभाग को नल जल योजना में प्रगति लाने एवं अपूर्ण कार्यो को सयम सीमा में पूर्ण करने और शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की टंकी की साफ-सफाई के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के सूदखोरो के लाईसेंस की जांच की जाए।

10 वर्षो से लगा रहा चक्कर, पीएम आवास नहीं मिला तो भूख हड़ताल करेगा पूरा परिवार

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

नपा की मनमानी के चलते पात्र हितग्राही को पी एम आवास नही दिया जा रहा है। अब हितग्राही अपने परिवार सहित भूख हड़ताल पर बैठने की अनुमति चाह रहा है। वह भी उसे नही मिल रही है। नगर के वार्ड 13 का निवासी ओमप्रकाश कहार वर्ष 2013 से अपने लिए पी एम आवास योजना के लिए नगरपालिका मे आवेदन कर रहा है। लेकिन बिना पैसे लिए उसे इसका लाभ नही नही दिया जा रहा है। ओमप्रकाश कहार ने एसडीएम कार्यालय मे 5 जुलाई को परिवार सहित भूख हड़ताल के लिए अनुमति चाही है। अपने आवेदन मे उसने लिखा है कि नगरपालिका द्वारा पैसे लेकर अपात्र लोगो को पात्र बनाकर उन्हे पी एम आवास योजना का लाभ दिया है। यही नही एक ही परिवार में अनेकों को लाभ दे दिया गया, जिन लोगो ने 20 से 25 हजार रुपये दिये उन्हे इसका लाभ दिया गया है। जबकि पात्र होने के बाद मेरे द्वारा पैसे नही देने पर योजना का लाभ नही दिया गया। नगरपालिका की इसी हथधर्मिता को लेकर उसने परिवार सहित भूख हड़ताल पर बैठने की अनुमति चाही है। जो भी उसे 20 दिन होने के बाद भी नही मिली है। उसे इसके लिए किसी भी अधिकारी ने कोई आश्वासन भी नही दिया है। ओमप्रकाश कहार ने बताया कि नगरपालिका द्वारा अपात्रों को पैसे लेकर पात्र बनाकर योजना का लाभ दिया गया है। जिसकी उच्चस्तरीय जांच की जाना चाहिये।

नगरपालिका जाने पर अधिकारी कोई बात सुनने को तैयार ही नही होते है। योजना का लाभ पात्र होने के बाद भी नही मिला है। चाहे तो कोई भी अधिकारी मेरे घर आकर जांच कर सकते है। में लगातार आवेदन निवेदन कर-कर थक चुका हूं अंततः अब में अपने परिवार सहित भूख हड़ताल पर तहसील कार्यालय के सामने बैठना है। यहां भी बात नही बनी तो में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से भेंटकर सिवनी मालवा नगर पालिका के समस्त हाल चॉल से अबगत कराऊंगा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस नर्मदा कॉलेज में दो दिवसीय गुरु-पूर्णिमा उत्सव संपन्न

नर्मदापुरम। प्रदेश भर में आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव का दूसरा दिवस नर्मदा महाविद्यालय में योगाभ्यास, व्याख्यान एवम अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया । कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विद्यार्थियों ने योगाचार्य नरेंद्र गौर के मार्गदर्शन में योगाभ्यास किया । प्रथम सत्र का समापन डॉ कमल वाधवा के संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने ध्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को शारीरिक एवम मानसिक स्वास्थ्य में संतुलन बनाने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम का द्वितीय सत्र मुख्य अतिथि पंडित गिरिजाशंकर शर्मा, अध्यक्ष डॉ. एल एल शर्मा, विशिष्ट अतिथि पंडित सोमेश परसाई एवं डॉ. संतोष व्यास, प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया । तत्पश्चात स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. ओ एन चौबे ने शिक्षा में आ रहे नवाचारों को रेखांकित किया ।

नाले का अवैध अतिक्रमण नहीं हटा तो होगा बड़ा जनांदोलन: कापरे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सोना सांवरी स्थित बहुचर्चित नाले पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण के मामले में अब जनप्रतिनिधि कूद पड़े हैं। नगर पालिका परिषद इटारसी के वार्ड क्रमांक 16 के कांग्रेस पार्षद अमित कापरे ने इस आशय का एक पत्र अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी इटारसी को सौंपा। पत्र में कापरे ने बताया कि वार्ड 17 में इटारसी शहर की सीमा से लगे सोना सांवरी नाका क्षेत्र में शहर की जल निकासी के एकमात्र स्रोत नाले पर भू माफियाओं एवं प्रशासन के अधिकारियों की मिली भगत से बीते डेढ़ वर्षों से खुलेआम अतिक्रमण कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस अतिक्रमण पर स्थानीय निवासियों सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा कई बार शासन की ओर पत्र लिखे गए एवं शिकायतें की गई। इन सबके बावजूद प्रशासन आंख मूंदे बैठा रहा। आश्चर्य की बात यह है कि इतनी शिकायतों के बाद भी निर्माणकर्ता को शासन ने क्लीन चिट भी दे दी। कुछ आवेदन आज से डेढ़ वर्ष पूर्व मार्च 2023 में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित एसडीएम इटारसी को अवैध निर्माण को रोकने संबंधित ज्ञापन दिया गया था। उस समय यह अवैध निर्माण अपने प्रारंभिक चरण में था। तब तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया कि उक्त क्षेत्र नगर पालिका सीमा में नहीं आता। कुछ जनप्रतिनिधियों द्वारा आज से दो महीने पूर्व भी इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष को लिखित में शिकायत की थी।

कापरे ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में शासन की गाइडलाइन के अनुसार ऐसे नाले जिसमें शहर का ड्रेनेज मिलता हो के आसपास निर्माण के लिए नाले से 9 मीटर की दूरी होना अनिवार्य है। यदि शासन के उक्त निर्देश सही है तब ऐसी स्थिति में विषय की संवेदनशीलता एवं गंभीरता को देखते हुए उन सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जावे जिन्होंने निर्माण की अनुज्ञा दी एवं आपत्ति लगने के पश्चात भी उक्त निर्माण कार्य को वैधानिक करार देकर क्लीन चिट दी।

श्री कापरे ने बताया कि बीती 21 तारीख रविवार को हुई मात्र 3 घंटे की बारिश के कारण बीते 45 वर्षों में पहली बार ऐसी स्थिति बनी जब पूरा सूरजगंज क्षेत्र घुटने घुटने तक पानी में डूब गया था एवं लोगों के घरों में पानी घुस गया था। जिसके चलते तिरुपति नगर, महर्षी नगर, अजै बचन कॉलोनी, दशमेश कॉलोनी, सोना सांवरी नाका, जाटव मोहल्ला, बैंक कॉलोनी, काली मंदिर के सामने का क्षेत्र एवं वर्धमान कॉलेज परिसर सहित हजारों घर प्रभावित हुए।

मेट्रो एंकर — **जन सामान्य के लिए विभाग अपने हेल्पलाइन नंबर प्रदर्शित करें**

जल गंगा संवर्धन अभियान कार्य 31 जुलाई तक पूर्ण करें :संभागायुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स को गूगल मीट के माध्यम से निर्देश दिए कि वह जल गंगा संवर्धन अभियान में लिए गए सभी कार्य 31 जुलाई तक पूर्ण कर लें। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लिए गए कार्य कुए बावड़ी, नदी, नालों, की साफ सफाई का कार्य जल्द से जल्द पूरा कर कार्य समाप्?त करें। उन्होंने कहा कि पुराने कार्य खत्म करके ही नए कार्य हाथ में लिए जाए। उन्होंने समस्त कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह उद्योगों के लिए लैंड बैंक में उद्योगों की स्थापना के लिए जमीन चिन्हित करके रखें। बताया गया कि हरदा में 55 भूखंड बैतूल में 180 हेक्टेयर जमीन एवं नर्मदा पुरम में 7648 भूखंड चिन्हित किए गए हैं। जिनका सत्यापन होना बाकी है ।

संभागायुक्त ने निर्देश दिए की जिन विभागों के हेल्पलाइन नंबर है, वे सभी विभाग जन सामान्य को अपने हेल्पलाइन नंबर एवं मदद की जानकारी देने के लिए हेल्पलाइन नंबर कलेक्?ट्रेट एवं सार्वजनिक दीवारों पर, पंचायत के पटल पर एवं सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित करें। संभागायुक्त ने कहा कि पशुओं के ट्रीटमेंट के लिए हेल्पलाइन नंबर 1962 है इस नंबर को डायल करने से बीमार पशुओं के ट्रीटमेंट के लिए एंबुलेंस घर तक आती है। संभागायुक्त ने कहा कि वॉल पेंटिंग के माध्यम

से हेल्पलाइन नंबर प्रदर्शित किए जाएं।

श्री तिवारी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा की, बताया गया कि तीनों जिलों में इस अभियान के तहत वृहद स्तर पर पौधारोपण कर वायु दुत ऐप पर फोटो अपलोड की जा रही है। नर्मदा पुरम कलेक्टर सोनिया मीना ने बताया कि रेशम एवं वन विभाग द्वारा बड़ा लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है ।

संभागायुक्त ने तीनों जिलों के कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह एयर एम्बुलेंस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अपने यहां गंभीर मरीज को अस्पताल पहुंचाने के लिए एयर एंबुलेंस का उपयोग करें। एयर एंबुलेंस का व्यापक प्रचार प्रसार कर इसकी जानकारी आम जनों तक पहुंचाएं। उन्होंने अभी तक एयर एंबुलेंस के उपयोग न करने पर नाराजगी भी जताई। राजस्व महा अभियान 2,0 की समीक्षा करते हुए संभाग आयुक्त ने सभी कलेक्टर्स का निर्देश दिए कि वह राजस्व महा अभियान में प्राप्त प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें। आरसीएमएस पोर्टल से प्राप्त प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि जो भी प्रकरण निराकृत हुए हैं उसकी जानकारी गूगल शीट में अनिवार्य रूप से भेजी जाए। संभागायुक्त श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह अपने अधीनस्थ तहसील कार्यालय एवं तहसील न्यायालय का निरीक्षण करना सुनिश्चित करें।

वर्षा काल में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करते हुए श्री तिवारी ने कहा कि सभी कलेक्टर बाढ़ का लॉन्ग टर्म प्लान तैयार रखें , डेम में जब पानी भरेगा और डेम से पानी जब छोड़ जाएगा तब विकट समस्या उत्पन्न होगी, इसके लिए प्रशासन का अमला अलर्ट रहे। उन्होंने कहा कि वर्षा काल में सड़कों पर मवेशी बैठे रहते जिससे सड़क दुर्घटना की संभावना बनती है। सभी कलेक्टर्स यह सुनिश्चित करें कि सड़कों पर मवेशियों की आवाजाही न हो। उन्होंने कहा कि बैतूल ने इस दिशा में बेहतर कार्य करके दिखाया है, वहां सड़कों पर बैठने वाली मवेशियों पर प्रभावी नियंत्रण किया गया है। उन्होंने हरदा एवं नर्मदापुरम कलेक्टर से कहा कि वह श्वश्र डुडा बैतूल से संपर्क करके प्लान बनाएं।

संभागायुक्त ने खाद बीज की उपलब्धता की समीक्षा की और कहां की बोअनी के बाद खाद एवं बीज की किसानों को कोई कमी ना हो। संभागायुक्त ने गत दिवस स्कूली बसों की चेकिंग करने के लिए दिए गए निर्देशों का प्रभावी रूप से पालन न होने पर सख्त नाराजगी जताई और कहां की सभी जिला परिवहन अधिकारी स्कूली बसों की अनिवार्य रूप से चेकिंग करें और महाविद्यालय में शिविर लगाकर महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के ड्राइविंग लाइसेंस बनाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सूदखोरों पर भी प्रभावी नियंत्रण करने के लिए निर्देश जारी किए और कहां की कुछ जगहों पर शिविर लगाकर लोगों को जागरूक किया जाए और आम जनों को बताया जाए की शासन द्वारा भी अनेक योजनाएं संचालित की जाती है।

कई भवन विहीन स्कूल, कई जर्जर हालात में, गिरने की आशंका भी

दीवारों पर अच्छा लगता है स्कूल चले हम अभियान हकीकत में कैसे चले स्कूल अभियान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कहने के लिए तों सर्व शिक्षा अभियान स्कूल चले हम जैसे अभियान चलाऐं जा रहे है लेकिन हकीकत अगर देखनी हो तों विदिषा जिले की शिक्षा व्यवस्था की देखकर लगता है कि यह अभियान सिर्फ और सिर्फ कागजों में सिमट कर रह गये है । वही हम बात करे तों सिरोंज विकासखण्ड के अंर्तगत कई स्कूल भवन जर्जर हालत में पडे हुए है इनको देखकर ऐसा लगता है कि कब यह बिल्डिंग गिर जाए कोई नही कह सकता है। कई स्कूल भवन विहिन है जों किसी चबूतरे के उपर लग रहा है तों कोई स्कूल पेड के नीचे लग रहा है शिक्षाा व्यवस्था के हालात बद से बदतर हो गये है । सवाल यही खत्म नही तों बारिष के पूर्व हर वर्ष बीआरसी द्धारा प्रतिवेदन तैयार कर जिला शिक्षा अधिकारी को भेजा जाता है कि इतने भवन क्षतिग्रस्त अवस्था में है और इतने भवन विहिन है लेकिन उस प्रतिवेदन पर बारिश आते आते पूरी बारिश खत्म हो जाती है लेकिन अमल नही हो पाता है यह सरकार की नाकामी साबित हो रही है क्यो कि

सरकार विभाग को बजट नही दे रही है इस लिए षिक्षा व्यवस्था में सुधार नही हो पा रहा है । प्रदेष की राजधानी भोपाल से लगभग 120 किलोमीटर दूर ग्रामीण अंचलों में षिक्षा के हालात बद से बदतर है यहां लगभग कई दषको से आज तक बच्चों को पढने के लिए भवन नही मिल सके हालात किसी एक स्कूल के नही है अपितु सिरोंज लटेरी के कई स्कूल षामिल है । आलम यह है कि शिक्षा विभाग द्धारा न तों षाला भवन बनवाया गया और न ही छात्र छात्राओं को किसी अन्य प्रकार की सुविधा जैसे शौचालय खेल मैदान पानी की व्यवस्था सहित माध्यान्य भोजन हेतु रसोई घर जैसी सुविधाऐं उपलब्ध नही है । सिरोंज विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाले मुरादपुर चौडाखेडी भूरी टोरी विशनपुर हरिजन बस्ती सहित आठ स्कूल भवन विहिन है ।

यह स्कूल किसी पेड के नीचे संचालित या फिर चबूतरे पर -

बात की जाए तों शिक्षा विभाग की स्थिति बहुत ही दयनीय हो गई है जिसमें कठोतिया चितोरा धानौदा रूसल्ला अभयराज उदयपुर खूजा सियलपुर बकेना सहित 49 स्कूलों के भवन जर्जर अवस्था में है जिनकी बिल्डिंग उपयोग लायक नही है इन स्कूलों में हजारों बच्चों की पढाई ठीक से नही हो पा रही है ।

अब बरसात के मौसम में यह षालाऐं कैसी होगी संचालित -

यह एक बडा सवाल है कि शिक्षा विभाग द्धारा जब षालाओं में भवन ही उपलध नही कराऐं गए है तों छात्र छात्राओं की पढाई का क्या हाल होगा इसका अंदाजा इन अव्यवस्थाओं से लगाया जा सकता है । क्यो कि कई स्कूल खुले आसमान के नीचे संचालित हो रहे है तों कई प्रधानमंत्री आवास योजना के बने घरो में संचालित हो रहे है वही कई पेड के नीचे तों कई चबूतरो पर कक्षा लग रही है । जब हमारी इस संबंध में षिक्षक से बात हुई तों उनका साफ कहना था कि जब तेज पानी आ जाता है तों बच्चों की छुट्टी करनी पडती है क्यों कि बच्चे कहा तक भीगेगे कही बीमार न हो जाऐं इस डर के कारण छुट्टी करनी पडती है ।

इनका कहना है -

यह भाजपा सरकार का विकास है जों नोनिहाल देश का भविष्य बनने के लिए स्कूल जाने का सोच रहे है वों यह सोच कर नही जा पा रहे है कि स्कूल तों पेड और चबूतरे पर लग रहा है भवन ही नही है । यह सिर्फ और सिर्फ दिखावे की सरकार है हम बहुत जल्द वरिष्ठ नेतृत्व के निर्देषानुसार बडा आंदोलन करके बच्चों का भविष्य बचाने का प्रयास करेगे और प्रषासन से मांग करेगे जों भवन विहिन है उन्हे जल्द से जल्द बनाया जाऐं ।

***विनोद सेन** प्रदेश सचिव म.प्र कांग्रेस कमेटी सिरोंज ।*

तालाब सीमांकन की आई रिपोर्ट, अतिक्रमणधारियों से होगा मुक्त

विधायक ने करवाया था सीमांकन, कॉलोनी का रास्ता हो जाएगा बंद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के प्राचीन तालाब का सीमांकन तो विधायक के निर्देश पर एसडीएम ने खड़े होकर 15 दिन पहले कर दिया था पर उसकी रिपोर्ट जारी नहीं की जा रही थी जिसको लेकर कई तरह की चर्चाएं भी चल रही थी। शनिवार के अंक में सीमांकन के बाद भी भूमाफियाओं के दबाव में सीमांकन की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जा रही है हमारे संवाददाता ने खबर को प्रमुखता से उठाया था साथ ही समाजसेवी अशोक जैन खर्च ने भी 7 दिन का समय प्रशासन को सीमांकन रिपोर्ट जारी करने का समय दिया था इसको भी हमारे संवाददाता ने उठाया था। तालाब की जमीन पर बड़े-बड़े लोगों ने अवैध रूप से कब्जा रख कर रखा है कुछ दुकानदारों ने भी इस बहती गंगा में हाथ धो लिया है रिपोर्ट के बाद तालाब की जमीन को मुक्त करवाने के लिए प्रशासन क्या कदम उठाएंगे उसका सभी को इंतजार होग को अतिक्रमण धारियों के चंगुल से मुक्त करवाने के लिए लंबे वर्षों से संघर्ष करते आ रहे अशोक जैन खर्च ने भी आवेदन देकर 7 दिन का अल्टीमेटम प्रशासन को दिया था रिपोर्ट आने के बाद इन्होंने भी विधायक , प्रदेश टुडे तथा प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि यहां कदम बहुत ही अच्छा है। दूसरी ओर विधायक ने जनहित में तालाब का सीमांकन करवाया था प्रदेश टुडे के सवाल पर रविवार को विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा था कि दो दिनों के अंदर तालाब के सीमांकन की रिपोर्ट भी सार्वजनिक की जाएगी जिन लोगों का अतिक्रमण होग उसको भी हटाया जाएगा तालाब को साफ-साफ और सुंदर बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे ।

दोपहर मेट्रो
खबर का असर

इसमें आ रहा है उनके नाम भी चिन्हित किया जा रहे हैं प्राचीन तालाब 30 बीघ जमीन से अधिक जगह में स्थित है पर वर्तमान में तालाब की भूमि 8 बीघ भी नहीं होगी कई भू माफियाओं ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है एक कॉलोनी में जाने के लिए नियम वृद्धि तालाब की जगह में से ही रास्ता बना लिया इसके लिए दीवाल को तुड़वाने का काम भी कर दिया था । नगर पालिका के तत्कालीन अध्यक्ष ने थाने में प्रकरण भी दर्ज करवाया था पर कुछ दिनों के बाद मामला ठंडा बस्ते में चला गया था इससे ऐसा प्रतीत हुआ था कि नगर पालिका प्रशासन की मिली बगैर से ही तालाब की दीवार को तोड़कर कॉलोनी नाइजर को फायदा पहुंचाने के लिए मार्ग दिया गया है अब उसको बंद करने कार्य प्रशासन करेगा या नहीं इसकी भी चर्चा हो रही है। दूसरी और कई रासूख दारो ने भी कब्जे में तालाब की जमीन कर रखी है ।

तालाब की जमीन मुक्त होगी या नहीं

अब देखना है कि प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी अतिक्रमण धारियों से तालाब की जमीन को इनसे मुक्त कर पाएगा या नहीं दूसरी ओर विधायक के निर्देश पर एसडीएम हर्षल चौधरी ने हिम्मत दिखाते हुए तालाब का सीमांकन कर दिया नहीं तो कई एसडीएम आए गए पर कोई भी तालाब का सीमांकन नहीं करवा पाया इस काम को करवाने तो कार्य तो हो गया है। जिन लोगों ने तालाब की जमीन दवा रखी है उनसे जमीन छुड़वाने का कार्य यदि एसडीएम और तहसीलदार कर पाए तो इनका नाम कई वर्षों तक याद रखा जाएगा दूसरी हो इस बात की जरूरत चर्चा हो रही है।

इनका कहना है -

प्रशासन ने जनहित में बहुत ही अच्छा कार्य किया है तालाब के सीमांकन की रिपोर्ट आने से बहुत ही प्रशंसा हो रही है जिनका भी कब्जा है अब उनसे मुक्त करवाने का कार्य भी प्रशासन करेगा ऐसी उम्मीद है। काम में साथ देने के लिए विधायक, एसडीएम तहसीलदार आभार व्यक्त करता हूं।

***अशोक जैन खर्चा** समाजसेवी*

जिले से रिपोर्ट प्राप्त हो गई है उसका हम अध्ययन कर रहे हैं आज जारी कर देंगे जिनका भी अतिक्रमण पाया जाएगा सबसे पहले उनको नोटिस जारी करेंगे फिर उसको धारा 248 हटाने का काम करेंगे।

***संजय चौरसिया** तहसीलदार*

सीमांकन रिपोर्ट को सार्वजनिक आज कर दिया जाएगा जिसका भी अतिक्रमण आएगा उसको हटाने का कार्य भी हम करेंगे अच्छा तालाब विधायक के निर्देशन में बनाएंगे।

***हर्षल चौधरी** एसडीएम*

नागरिको को एसडीएम व बीएमओ से जागी उम्मीद, क्या इन अवैध क्लीनिको को किया जाएगा सील

प्रशासन की नाक के नीचे शहर में चल रहे फर्जी क्लीनिक व नर्सिंग होम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

फर्जी क्लिनिको पर कार्रवाई के लिए विभाग पूरी तरह से कमर कर चुका है लेकिन स्थानीय विभागीय अधिकारियों की मिली भगत के चलते संचानालय लोक स्वास्थ्य विभाग के पत्र महज औपचारिकता नजर आ रहे हैं 15 जुलाई को संचानालय ने पत्र जारी कर फर्जी चिकित्सकों, झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने कार्यवाही के नाम पर औपचारिकता पूरी कर ली गई है स्थानीय बीएमओ ने पांच क्लिनिक को नोटिस जारी किए हैं जबकि शहर में 40 से अधिक फर्जी क्लिनिक संचालित है। शिकायत के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई बीएमओ पर लगे मिली भगत के आरोप नगर में संचालित शिफा क्लीनिक पर डिलीवरी के मामले में लापरवाही बरतने की शिकायत मई माह में की गई थी दूसरा महीना बीतने वाला है शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने संबंधित क्लीनिक पर पहुंच कर जांच करना भी उचित नहीं समझा उक्त मामले को लेकर जब बीएमओ विकास बघेल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अवकाश पर था इसलिए अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि कार्रवाई के नाम पर अन्य क्लिनिको पर अधिकारी पहुंचते हैं। लेकिन शिफा क्लीनिक का नाम सामने आते ही अधिकारी अवकाश व तरह तरह के बहाने बनाकर पल्ला झाड़ लेते हैं शहर में चर्चा का विषय तो यह भी है कि शहर में ऐसे कई क्लिनिक संचालित है जहां बाहर बोर्ड तो क्लीनिक का लगा है लेकिन अंदर अवैध अस्पताल संचालित है और यह सब जिम्मेदार अधिकारियों की

मिली भगत से हो रहा है आगे देखना बड़ा ही दिलचस्प होगा की शिफा क्लीनिक पर कार्रवाई होगी या नहीं।

लंबे समय से चर्चा है कि एक महिला चिकित्सक द्वारा अनाधिकृत रूप से नर्सिंग होम का संचालन किया जा रहा है। उक्त नर्सिंग होम में न तो शासन के नियमो का कोई पालन हो रहा और न ही कोई डिग्री उक्त चिकित्सक के पास है। सिर्फ नाम मात्र के प्रमाण पत्र पर ही चिकित्सक द्वारा प्रतिदिन दर्जनो महिलाओं का उपचार किया जा रहा है। साथ ही अवैध रूप अनेको महिलाओ की डिलेवरी व ऑपरेशन किया जा रहा है। इस संबध में उक्त राज बाजार, काले बाजार में संचालित महिला चिकित्सक के खिलाफ कई बार मिली शिकायतो के भी विभाग ने कोई सख्त कार्यवाही नही की।

पूर्व में भी 4 क्लीनिकों तक सीमित थी बीएमओ की कार्रवाई

इससे पूर्व भी झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों ने अभियान शुरू किया था लेकिन यह अभियान भी चार क्लिनिको पर कार्रवाई तक ही सीमित रहा था जबकि शहर सहित ग्रामीण अंचलों में 400 से अधिक क्लिनिक संचालित है हर बार स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की कार्रवाई महज औपचारिकता पूर्ण देखी गई है

फर्जी क्लिनिक संचालकों को देनी होती है हर माह रिश्वत

स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई को लेकर हमारे टीम ने पड़ताल की तो एक फर्जी क्लीनिक संचालक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि हम तो मुख्य सड़क पर खुलेआम बैठे हैं कोई अधिकारी कार्रवाई के लिए कैसे आ जाएगा हर महीने पैसा जाता है उन्होंने बताया कि अधिकारियों के दलाल क्षेत्र में फिक्स है जिन्हें क्लिनिक बांटे गए हैं किसके क्लीनिक से कितना चंदा हर महीने एकत्रित कर भेजा जाता है हमारे टीम ने उक्त संचालक से राशि किसको भेजी जाती है सवाल पूछा तो उन्होंने मुस्कुराते हुए बताया साहिब के पास लेकिन बार-बार पूछने के बाद भी साहिब का नाम नहीं बताया आज भी शहर में 40 से अधिक और क्षेत्र में 400 से अधिक फर्जी क्लिनिक संचालित है यह सब कैसे और किसके इसारे पर संचालित हैं हालांकि हम यह सभी आरोपो की पुष्टि नहीं करते क्योंकि यह जांच का विषय है।

इनका कहना है -

आपके द्वारा जानकारी मिली है यदि दो माह पूर्व शिकायत हुई है तो कार्रवाई होनी चाहिए थी अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई यह गलत है मैं तत्काल दिखवाता हूँ।

***बुद्धेश कुमार वैद्य** , कलेक्टर विदिशा*

सावन माह में शिवजी की आराधना करने मंदिरों में लगी भीड़, देवपुर में भी श्रद्धालुओं का लगता तांता

सिरोंज। सावन के पहले सोमवार को सुबह से ही शिव मंदिरों में हर हर महादेव की गूंज सुनाई दी नगर के नीलकंठ मंदिर , जटाशंकर मंदिर सहित सभी मंदिरों में भक्तों का अभिषेक पूजा अर्चना करने के लिए सिलसिला प्रारंभ हो गया था पूरे 1 महीने भक्ति भाव से शिवजी की आराधना होगी विधि विधान से पूजा के साथ अभिषेक महा अभिषेक भी प्रारंभ हो गए हैं। वहीं बाबा विश्वनाथ दरबार देवपुर में सावन के पहले सोमवार को अभिषेक करने के लिए प्रातः काल से ही भक्तों की पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था दोपहर तक तो भारी भीड़ थी लंबी-लंबी कतारें लगी होने के कारण महिला पुरुषों को अलग-अलग लाइनों में दर्शन करवाया जाए दूसरे रास्ते से बाहर निकलने का कार्य किया गया मंदिर समितियां तथा प्रशासन के द्वारा मिलकर इस व्यवस्था को किया गया था । इसी तरह ग्रामीण अंचलों में भोलेनाथ की भक्ति का दौर प्रारंभ हो गया है। भगवान विश्वनाथ का आज जल अभिषेक एवं से भक्तों द्वारा पूजा पाठ की गई नगर सहित ग्रामीण इलाकों में मंदिरों में कई धार्मिक आयोजनों का कार्यक्रम शुरू हुए हैं जो सावन के एक माह चलेगा ग्राम पिपलिया हाट में शिव भक्तों द्वारा सावन मास के प्रथम सोमवार को भोले अमरेश्वर दरवार पिपलिया हाट में श्री अमरनाथ बर्फानी सेवादल के सदस्यों ने बाबा बर्फानी का पन्चामृत एवं 51 किलो आम के आमरस से अभिषेक किया।

मेट्रो एंकर | लवकुश सेवा समिति समाज के मेधावी छात्रों व दानदाताओं का किया सम्मान

समाज का एक अच्छा इंसान बनना भी महत्वपूर्ण : कुशवाह

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुरू पूर्णिमा के उपलक्ष्य में रविवार को लवकुश सेवा समिति देवपुर धाम द्वारा मंदिर निर्माण कार्य के लिए दान राशि देने वाले समाजजनों व समाज के मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रांतीय कुशवाह समाज की जिला अध्यक्ष श्रीमति विनीता कुशवाह,विशेष अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष मुंशीलाल कुशवाह, प्रांतीय कुशवाह समाज तहसील अध्यक्ष मुकेश कुशवाह,,चटौली कुशवाह समाज अध्यक्ष मंसाराम कुशवाह, नगर पालिका पूर्व सीएमओ बालमुकुंद कुशवाह, सीताराम कुशवाह,प्रांतीय युवा अध्यक्ष एडवोकेट मलखान सिंह कुशवाह सहित भोपाल से पधारे पिछला वर्ग मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष भगत सिंह कुशवाह ने समाज के दानदाताओं का फूलमाला पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही समाज के उधार के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजजनों व वही विगत 3 वर्ष से चल रही अखंड रामायण जी के पाठ की निरंतर ड्यूटी संभालने वाले समाजजनों का भी पुष्पमाला पहनाकर प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम उपरांत

समाजजनों द्वारा विशाल भण्डारें का आयोजन किया गया।

मेधावी छात्रों का किया सम्मान -

वही कार्यक्रम में समाज के कक्षा 10वी एंव 12वी 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मैधावी छात्रों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रांतीय कुशवाह समाज की जिला अध्यक्ष श्रीमति विनीता कुशवाह ने कहा कि आज तक आप सभी अपने परिजन व अभिभावक की देख रेख में शिक्षा ग्रहण करते आए है। अगली शिक्षा के लिए लगन और मेहनत की जरूरत है। वही उन्होने छात्रों को आगे की शिक्षा तथा लक्ष्य के लिए कई महत्वपूर्ण टिप्स देते हुए कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त कर इंजीनियर, डॉक्टर, आईएएस की पढ़ाई करना ही महत्वपूर्ण लक्ष्य नहीं है। समाज का एक अच्छा इंसान बनना भी महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को कभी यह नहीं सोचना चाहिए कि उनके पिता किसान हैं या मजदूर हैं तो एक अच्छे मुकाम पर नहीं जा सकते। अच्छी मेहनत होनी चाहिए सफलता खुद आपके कदम में आज जाएगी। इस दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष घनश्याम कुशवाह, महासभा अध्यक्ष राकेश कुशवाह, युवा मोर्चा अध्यक्ष रामबाबू कुशवाह, मलखान कुशवाह,उपाध्यक्ष मुन्नालाल कुशवाह, सचिव चौन सिंह कुशवाह, कोषाध्यक्ष बुंदेल सिंह कुशवाह,बसंती लाल कुशवाह, हरनाम कुशवाह, रमेश कुशवाह, श्यामलाल कुशवाह,इंदर सिंह कुशवाह, गुमान लाल कुशवाह सहित बडी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

अवैध उत्खनन के विरूद्ध कार्यवाही तीन अवैध रेत उत्खननकर्ताओं के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश के पालन में अवैध उत्खनन/ परिवहन / भण्डारण के विरूद्ध कार्यवाही के दौरान खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। 5 जुलाई को पुलिस एवं खनिज विभाग नर्मदापुरम द्वारा ग्राम-निमसाड़िया, तह. नर्मदापुरम से रेत खनिज के अवैध उत्खनन कार्य में लिप्त पाये जाने पर वाहन डम्पर क्रमांक-MP38H3120 को जप्त कर पुलिस थाना-देहात नर्मदापुरम की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया एवं वाहन मालिक / चालक के विरूद्ध एफआईआर क्रमांक-0331/2024 दर्ज करायी गयी है। दिनांक 06/07/2024 को

खनिज विभाग द्वारा ग्राम-सोयत, तहसील-सिवनीमालवा में रेत का अवैध परिवहन करते हुये ट्रेक्टर ट्राली क्रमांक- MP05AH6331 को मौके से जप्त कर पुलिस थाना सिवनीमालवा, तहसील-सिवनीमालवा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया एवं वाहन मालिक / चालक के विरूद्ध एफ0आई0आर0 क्रमांक-0476/2024 दर्ज करायी गयी है तथा दिनांक 16/07/2024 को खनिज विभाग द्वारा सीताफल बगीचा के पास, ग्राम-मनवाड़ा, तहसील-माखननगर में रेत का अवैध परिवहन करते हुये 01 डम्पर क्रमांक-MP09ZV 3935 को मौके से जप्त कर पुलिस थाना माखननगर, तहसील-माखननगर में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया एवं वाहन मालिक / चालक के विरूद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज करायी गयी है। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज नियम 2022 के तहत भी कार्यवाही की जा रही है। तीन अवैध रेत उत्खननकर्ताओं के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

विमेंस एशिया कप में पहली बार आज इंडिया का मुकाबला नेपाल से होगा

भारतीय टीम जीती तो सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी

नईदिल्ली, एजेंसी

विमेंस एशिया कप के 10वें मैच में मंगलवार को डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम का सामना नेपाल से होगा। दोनों टीमें विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में पहली बार भिड़ेंगी। भारतीय टीम आज का मैच जीतकर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पहले मैच में अपने सबसे बड़े राइवल पाकिस्तान को 7 विकेट से और दूसरे मैच में यूएई को 78 रन से करारी शिकस्त दी थी। दूसरी ओर, नेपाल ने अपने पहले मैच में यूएई को हराया और दूसरे में पाकिस्तान से हार झेलनी पड़ी।

टॉस का रोल और पिच रिपोर्ट

रंगिरी दांबुला स्टेडियम श्रीलंकाड़ में होने वाले ड़ड़एशिया कप के सभी मैच यही खेले जाएंगे। यहां अब तक 10 विमेंस टी-20 इंटरनेशनल खेले जा चुके हैं। इसमें पहले बॉलिंग करने वाली टीम ने 6 मैच जीता है। दोनों ही टीम के कप्तान टॉस जीतकर बॉलिंग लेना चाहेंगे।

टॉस- 6.30 बजे
मैच स्टार्ट- 7 बजे
स्टेडियम- रंगिरी दांबुला स्टेडियम, श्रीलंका

2018 में मिला नेपाल विमेंस टीम को टी-20 स्टेटस

इससे पहले, 2016 एशिया कप में दोनों टीमों का सामना हुआ था, लेकिन उस मैच में नेपाल विमेंस टीम को इंटरनेशनल का दर्जा नहीं दिया गया था। ढ्ढष्ट ने 2018 में टी-20 खेलने वाली सभी विमेंस टीम को इंटरनेशनल टी-20 का स्टेटस दे दिया। जिसके बाद नेपाल विमेंस टीम को भी टी-20 का स्टेटस मिला। टीम ने 12 जनवरी 2019 को चीन के खिलाफ अपना पहला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला। इस कारण 2018 से पहले हुए उनके किसी भी टी-20 मैच को इंटरनेशनल मैच में नहीं गिना जाता। जिसमें 2016 एशिया कप में भारत के खिलाफ मैच भी शामिल है।

विमेंस एशिया कप की विजेता

विमेंस एशिया कप की शुरुआत 2004 से हुई थी। जब भारत ने इसे जीता था। अब तक 8 बार विमेंस एशिया कप हो चुका हैं। जिसमें भारत ने 7 बार इस टूर्नामेंट को जीता है वहीं बांग्लादेश ने 1 बार एशिया कप जीता है।

वेदर रिपोर्ट और मैच प्रेडिक्शन

भारतीय विमेंस टीम अभी फॉर्म में हैं। पहले मैच में उसने पाकिस्तान को और दूसरे में यूएई को हराया था और हाल ही में साउथ अफ्रीका से सीरीज जीती थी। इस मैच में भारत के जीतने के चांस 90त्न है। दांबुला में कल के दिन बारिश होने का कोई चांस नहीं है।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, दयालन हेमलता, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह, राधा यादव और तनुजा कंवर।

नेपाल - इंदु बर्मा (कप्तान), समझना खड़का, सीता राणा मगर, कबिता कुंवर, रूबीना छेत्री, पूजा महतो, काजल श्रेष्ठा (विकेटकीपर), रोमा थापा, बिंदु रावल, कबिता जोशी और कृतिका मरासिनी।

श्रीलंका में हुई आईसीसी की एनुअल कॉन्फ्रेंस

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर नहीं हुई कोई बात

नईदिल्ली. एजेंसी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज की सह मेजबानी में में टी-20 वर्ल्ड कप कराना आईसीसी के लिए घाटे का सौदा रहा है। टूर्नामेंट के दौरान बजट से ज्यादा पैसा वहां पर खर्च हुआ। ऐसे में आईसीसी की मीटिंग में इसको लेकर भी तीन सदस्यों की कमेटी बनाई गई हैं। जिसमें रॉजर त्वोसे, लॉसन नाइडू और इमरान ख्वाजा शामिल हैं। यह कमेटी साल के आखिर तक वर्ल्ड कप को लेकर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। आईसीसी मीटिंग में यह उम्मीद जताई जा रही थी कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चेयरमैन मोहसिन नकवी पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह से बात कर सकते हैं। मगर इसको लेकर दोनों बोर्ड के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। पाकिस्तान में अगले साल चैम्पियंस ट्रॉफी होनी है, जिसके लिए 6 टीमों ने तो पाकिस्तान जाने के लिए सहमति दे दी है। लेकिन भारतीय टीम के जाने को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। ऐसे में टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में हो सकता हैं। मीटिंग में इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई। इसमें सिर्फ चैंपियन ट्रॉफी 2025 का बजट पास हुआ। मीटिंग में महिला टी20 वर्ल्ड कप में टीमों की संख्या बढ़ाने को भी मंजूरी दी गई है। 2030 के एडिशन से इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी। अगले वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा लेंगी और 2026 के एडिशन में 12 टीमें खेलेंगी। इसके लिए 31 अक्टूबर 2024 क्वालिफाई करने की आखिरी तारीख रहेगी।

अमेरिका और चिली बोर्ड को नोटिस

आईसीसी की मीटिंग में दो क्रिकेट बोर्ड को नोटिस देने का फैसला भी लिया गया। प्रेस नोटिस के मुताबिक अमेरिकन क्रिकेट बोर्ड और चिली क्रिकेट को आईसीसी की सदस्यता के मापदंडों पर खरे नहीं उतरने के कारण दोनों बोर्ड को नोटिस दिया गया। इस दौरान दोनों क्रिकेट बोर्ड को 12 महीने का समय मिला है, जिसमें वो सुधार कर सकते हैं।

भाला फेंक स्पर्धा में खिताब बचाने उतरेंगे नीरज, ताज को मिलेगी कड़ी चुनौती

87.58 मीटर थ्रो के साथ टोक्यो में जीता था स्वर्ण पदक

नईदिल्ली.एजेंसी

2021 में हुए टोक्यो ओलंपिक में 87.58 मीटर तक भाला फेंक कर जैसे ही नीरज चोपड़ा ने जश्न मनाया, पूरा देश खुशी से झूम उठा। नीरज ने एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रच दिया था। अब तीन साल बाद नीरज पेरिस ओलंपिक में न केवल ओलंपिक चैंपियन बल्कि विश्व चैंपियन का ताज पहनकर उतरेंगे। ऐसे में उनके सामने अपना ताज बचाने की कड़ी चुनौती होगी। नीरज 2024 के शीर्ष भाला फेंक एथलीटों में चौथे स्थान पर चल रहे हैं। अपनी रेकॉर्ड बुक में एक और ओलंपिक स्वर्ण जोड़ने के लिए नीरज को अपने से आगे चल रहे तीन एथलीटों की चुनौती से पार पाना होगा। इस सीजन भले ही अरशद 16वें स्थान पर चल रहे हैं, लेकिन वे

अपनी थ्रोइंग शैली व क्षमता के कारण पदक के दावेदारों में शुमार हैं। पेरिस डायमंड लीग में उन्होंने 75 मीटर से कम थ्रो के साथ शुरुआत की थी, हालांकि वे कुछ ही मिनटों में 84.21 मीटर तक पहुंच गए थे।

सबकी नजरें मुझ पर, थोड़ा नर्वस हूं

नीरज चोपड़ा बोले कि पिछली बार लोगों का ध्यान जोहान्स पर था, लेकिन इस बार सबकी नजरें मुझ पर है, जिससे मैं थोड़ा नर्वस हूं। पिछली बार मेरा पहला ओलंपिक होने के कारण मुझ पर दबाव कम था, लेकिन इस बार सबकी नजर मेरे ऊपर हैं। मैं खिताब बचाने का पूरा प्रयास भी करूंगा।

दरअसल, पूर्व विश्व चैंपियन ने अपने करियर में अब तक चार बार 90 मीटर का मार्क पार किया है। 2022 में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने के बाद वे हादसे का शिकार हो गए। उसके बाद उन्हें वापसी में समय लगा। इस साल कतर में उन्होंने 88.62 मीटर के थ्रो के साथ खुद को पोडियम फिनिश की होड़ में ला खड़ा किया। जैकब टोक्यो में रजत पदक जीता था, जबकि बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने कांस्य जीता था।

पदक के बेहद करीब पहुंचकर चूके हैं कई दिग्गज भारतीय

नईदिल्ली.एजेंसी

भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के लिए कमर कस के तैयार हैं। 26 जुलाई से शुरू होने जा रहे इन खेलों में भारत का 117 सदस्यीय दल हिस्सा लेने जा रहा है। ये सभी 117 एथलीट जानते हैं कि ओलंपिक में पदक जीतने का महत्व क्या है। ऐसे में अगर जरा सी भी चूक हुई तो उसका मलाल जीवन भर रहेगा। पहले भी कई मौके ऐसे आए हैं जब भारतीय एथलीट पदक के बेहद करीब पहुंच कर चूक गए, उसकी टीस आज भी हमारे दिल में है। मिल्खा सिंह, पीटी ऊषा जैसे दिग्गजों ने यह दर्द झेला है।

उड़न परी का सपना टूटा- लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में पीटी ऊषा 400 मीटर बाधा दौड़ में सेकंड के 100वें हिस्से से कांस्य पदक से चूक गई थीं। ऊषा उन खेलों में चौथे स्थान पर रहीं थीं।

महिला हॉकी टीम हारी- 1980 के मॉस्को ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम के पास अपने पहले प्रयास में ही कांस्य जीतने का बड़ा मौका था। हालांकि, टीम को सोवियत संघ से 1-3 से हार मिली और टीम चौथे स्थान पर रही।

भारतीय फुटबॉल टीम- मेलबर्न ओलंपिक 1956 में भारतीय फुटबॉल टीम ने क्वॉर्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इस मुकाबले में नेविल डिसूजा ने हैट्रिक बनाई थी। हालांकि कांस्य पदक मुकाबले में भारत बुल्गारिया से हार गया था।

हंगरियन ग्रांप्री में हासिल की उपलब्धि

भारत के कुश मैनी ने करियर की पहली स्प्रिंट रेस जीती

बुडापेस्ट. एजेंसी

भारतीय मोटरस्पोर्ट्स ड्राइवर कुश मैनी ने यहां हंगरियन ग्रांप्री की स्प्रिंट रेस में जीत दर्ज की। फॉर्मूला-2 में यह उनकी पहली जीत है। ट्राइडेंट के रिचर्ड वरशूर को तकनीकी नियमों के उल्लंघन की वजह से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद भारतीय ड्राइवर को शीर्ष स्थान मिला। इस जीत के साथ वह फॉर्मूला-2 रेस जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इनविक्ट रेसिंग के कुश और विक्टर मार्टिंस को पहले और दूसरे स्थान पर कर दिया गया, जबकि कैम्पोस के इसाक हैजडर तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

मेट्रो बाजार

नियमों की अनदेखी: बैंक होम लोन की रकम देने से पहले ही ले रहे ब्याज

मुंबई. एजेंसी

देश में हर साल करीब 10 लाख होम लोन दिए जाते हैं। इनमें 70 फीसदी मामले ऐसे हैं, जिनमें बैंक, एनबीएफसी या अन्य वित्तीय संस्थान होम लोन की रकम ट्रांसफर करने से पहले ही ब्याज का मीटर चालू कर देते हैं। जबकि आरबीआई की गाइड लाइंस कहती हैं कि ऐसा नहीं कर सकते। गुरुग्राम में रहने वाले पेशे से इंजीनियर आयुष चौधरी अपने परिवार के लिए घर खरीदना चाहते थे। एक 3 बीएचके फ्लैट पसंद आया।

लोन लेने बैंक पहुंचे। डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया पूरी हुई। सैंक्शन लेटर भी मिला। लोन आवंटन (डिस्बर्सल) की प्रक्रिया चल रही थी। चूंकि, अभी बिल्डर के खाते में पैसा नहीं आया था। इसलिए पजेशन भी नहीं मिला था। लेकिन अचानक उनके फोन में 91.2 लाख की श्वस्रुद्ब कटने का अलर्ट मैसेज आ गया। वे बैंक के पास गए। बहस की। कहा, लोन की राशि बिल्डर के खाते में गई ही नहीं। ईएमआई कैसे शुरू कर दी। जवाब मिला सैंक्शन के बाद डिस्बर्सल का चेक बन चुका है। बैंक के लोन अकाउंट से राशि कट चुकी है। इसलिए तकनीकी रूप से डिस्बर्सल हो चुका है। इसी तरह, भोपाल में रहने वाली विजयिता सिंह (बदला नाम) के साथ भी हुआ। बिल्डर से एग्रीमेंट हुआ। हमीदिया रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा पहुंचीं। 22.5 लाख रु. का लोन मंजूर हुआ। अभी रजिस्ट्री बाकी थी। इससे पहले ही बैंक ने चेक बनाकर डिस्बर्सल दिखा दिया। उन्हें 13,370 रुपए का ब्याज भरने का संदेश भेज दिया। कहा गया कि आप पर बकाया राशि चढ़ गई है। पूछा तो बैंक से जवाब मिला कि चेक बन गया है, अब ब्याज देना होगा। नियम ये है... फंड ट्रांसफर होने से पहले न ब्याज ले सकते हैं।

दिवालिया कार्रवाई आगे बढ़ी तो बंद होगी बायजूस

नईदिल्ली, एजेंसी

एडटेक कंपनी बायजूस के खिलाफ दिवालिया कार्रवाई शुरू होती है, तो इसके चलते कंपनी के हजारों कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा। साथ ही कंपनी की सर्विसेज भी पूरी तरह से बंद हो जाएंगी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, बायजूस के फाउंडर और सीईओ बायजूस रवीन्द्रन ने कोर्ट फाइलिंग में यह बातें कही हैं। 3 दिन पहले नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने बायजूस के खिलाफ दिवालिया कार्रवाई शुरू करने के लिए की याचिका स्वीकार कर ली थी। अब इस मामले में ने कार्रवाई शुरू कर दी है। बायजूस की संपत्तियां जब्त कर ली गई हैं और इसके बोर्ड को निलंबित कर दिया गया है। ये मामला भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी के लिए बायजूस और स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ा है। बायजू रवीन्द्रन ने दिवालिया कार्रवाई को रद्द करने की मांग करते हुए कोर्ट में अपील दायर की है। अपील में कहा गया है कि इस दिवालिया कार्रवाई के चलते वे वेंडर्स जो कंपनी के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के रखरखाव के लिए अहम सेवाएं मुहैया कराते हैं, उन्हें डिफॉल्ट घोषित कर दिया जाएगा। इससे कंपनी की सर्विसेज पूरी तरह बंद हो जाएंगी और कारोबार पूरी तरह से ठप हो जाएगा। रवीन्द्रन के वकील ने कर्नाटक हाईकोर्ट में 452-पन्नों की अपील दायर की है। हालांकि, अभी तक यह कागज पब्लिक नहीं हुए हैं। डॉक्यूमेंट्स में कहा गया है कि रवीन्द्रन 90 दिनों के अंदर बकाया राशि का भुगतान करने के लिए तैयार हैं। बायजूस के पास फिलहाल करीब 27,000 कर्मचारी हैं, जिनमें 16,000 टीचर्स शामिल हैं। 158 करोड़ रुपए की बकाया राशि वसूलने के लिए बायजूस की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ पिछले साल याचिका दायर की थी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

सुष्मिता के एक्स बॉयफ्रेंड बोले: हम 6 साल से दोस्त हैं, आगे भी यह रिश्ता रहे...

हाल ही में सुष्मिता सेन ने बयान दिया था कि वे पिछले 3 साल से सिंगल हैं और किसी को डेट नहीं कर रही हैं। अब उनके इस बयान पर एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल का रिएक्शन आया है। उन्होंने कहा है कि वे और सुष्मिता 6 साल से साथ में हैं और इसमें कुछ नया भी नहीं है। रोहमन ने यह भी कहा कि वे दोनों हमेशा से दोस्त हैं और आगे भी रहेंगे। उनका कहना है कि वे सुष्मिता के साथ स्पेशल बॉन्ड शेयर करते हैं, जो सबको दिखता भी है।

सुष्मिता ने कहा था- मैं पिछले 3 साल से सिंगल हूं

कुछ दिन पहले सुष्मिता, रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में बतौर गेस्ट पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कहा था- आज मेरी लाइफ में कोई नहीं है। मैं पिछले 3 साल से सिंगल हूं। फिलहाल मुझे किसी में कोई दिलचस्पी भी नहीं है। ये ब्रेक जरूरी था क्योंकि इससे पहले मैं लगभग 5 साल तक रिलेशनशिप में थी।

2021 में हुआ था ब्रेकअप

बताते चलें कि सुष्मिता और रोहमन लंबे वक्त तक रिलेशनशिप में थे। इसके बाद 2021 में इनका

ब्रेकअप हो गया था। हालांकि ब्रेकअप के बाद भी दोनों को अक्सर एक साथ कई जगहों पर स्पॉट किया जाता है। रोहमन के अलावा सुष्मिता का नाम ललित मोदी, विक्रम भट्ट, रणदीप हुड्डा, वसीम अकरम, संजय नारंग, बंटी सजदेह से जोड़ा जा चुका है।

आखिरी बार वेब सीरीज आर्या 3 में नजर आई थीं एक्ट्रेस

सुष्मिता के वर्क फ्रंट की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार वेब सीरीज आर्या 3 में देखा गया था। राम माधवानी के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज में इला अरुण, विकास कुमार और सिकंदर खेर जैसे एक्टर्स भी नजर आए थे।

अजय देवगन ने पूरी की 'सिंघम अगेन' की शूटिंग

अजय देवगन और रोहित शेट्टी बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय अभिनेता-निर्देशक जोड़ों में से एक हैं, जिन्होंने एक साथ कई सफल फिल्में दी हैं। वे वर्तमान में अपनी अगली बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। रोहित शेट्टी ने अब उनके बंधन का जश्न मनाने के लिए एक विशेष वीडियो जारी किया है। साथ ही खास बात यह भी है कि आज अजय ने अपनी फिल्म की 13वीं वर्षगांठ पर कॉप यूनिवर्स में पांचवीं किस्त की शूटिंग पूरी कर ली है। 22 जुलाई, 2024 को रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो साझा किया। उनकी और अजय देवगन की फिल्म सिंघम की रिलीज को 13 साल हो गए हैं। उन्होंने अपने फॉलोअर्स को अपनी आने वाली फिल्म सिंघम अगेन के पर्दे के पीछे की झलक दिखाई और बताया कि अजय ने आज इसकी शूटिंग पूरी कर ली है। वीडियो में उन्होंने अपनी यात्रा की कहानी बताई। वीडियो में लिखा था, आज सिंघम के 13 साल पूरे हो गए और किस्मत का जादू देखते हैं। आज हम अजय सर के साथ सिंघम अगेन की शूटिंग पूरी कर रहे हैं। बतौर निर्देशक उनके साथ मेरी 13वीं फिल्म हैलेकिन यह सफर 90 के दशक में शुरू हुआ था।

एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने विक्की और तृप्ति डिमरी को बताया खाने के शौकीन

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी विर्क और नेहा धूपिया अपनी हालिया रिलीज फिल्म बैड न्यूज की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस फिल्म का काफी हिस्सा दिल्ली में फिल्माया गया है। अब नेहा ने वहां पर शूटिंग के दौरान हुए अपने अनुभवों को साझा किया है। अभिनेत्री ने वहां पर विक्की और तृप्ति के साथ हुए अपने मजेदार अनुभवों को साझा किया है। इस दौरान उन्होंने खाने के शौकीन विक्की और तृप्ति के साथ वहां के कई लोकप्रिय व्यंजनों का आनंद लिया। इसके अलावा उन्होंने अभिनेत्री कैटरीना की तारीफ करते हुए कहा कि वह पार्टियों और डिनर की मेजबानी और आयोजन करने में काफी माहिर हैं। एक इंटरव्यू के दौरान नेहा ने बताया कि उन लोगों के लिए शूटिंग के दौरान खाना एक खास अवसर की तरह महसूस होता था। उन्होंने विक्की कौशल का जिक्र करते हुए कहा कि सेट पर खाने के सबसे बड़े शौकीन विक्की और तृप्ति थे।

खाने को लेकर किया गाइड

नेहा ने आगे बताया कि जब वो उत्तरी पहाड़ी इलाकों में शूटिंग कर रहे थे, तो तृप्ति वहां की गाइड बन गई थीं, जो स्थानीय भोजन को लेकर लगातार गाइड कर रही थीं। अभिनेत्री ने कहा कि तृप्ति लगातार उन जगहों की तलाश करती रहती थीं, जहां उन्हें अच्छा खान मिल सकता था। नेहा ने उदाहरण देते हुए बताया कि शिमला में शूटिंग के दौरान तृप्ति उन्हें वहां की सबसे अच्छी जगहों के बारे में बताती थीं।

कैटरीना शानदार पार्टी प्लानर है...

नेहा ने कैटरीना को लेकर कहा कि वह शानदार पार्टी प्लानर हैं। वह काफी अच्छे से पार्टी में भोजन को लेकर प्लानिंग करती हैं और वह एक अच्छी मेजबान भी हैं। उन्होंने कहा कि कैटरीना ये सुनिश्चित करती हैं कि सब को उनके पसंद के मुताबिक खान मिल सके। शाकाहारी, मसालेदार, कम मसालेदार जैसे कई विकल्प मौजूद होते हैं, जिस वजह से उनकी पार्टी काफी आनंददायक होती है, बिलकुल जैसे यह कोई पारिवारिक समारोह हो। अभिनेत्री ने कैटरीना की तारीफ करते हुए आगे कहा कि वह उनसे बेहद प्यार करती हैं।

कार्यवाहक उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षकों के तबादले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के जोन टू के थानों में पदस्थ उप निरीक्षक से लेकर प्रधान आरक्षक और आरक्षकों के तबादले किए गए हैं। तबादलों का उक्त आदेश पुलिस आयुक्त जोन टू श्रद्धा तिवारी द्वारा जारी किया गया। जारी आदेश में बागसेविया थाने में पदस्थ कार्यवाहक उप निरीक्षक शिरोमणि सिंह का तबादला अयोध्या नगर थाने में किया गया है। इसी प्रकार कार्यवाहक उप निरीक्षक मोहन वर्मा एमपी नगर से थाना बागसेवनिया भेजे गए। कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक निर्मल विश्वकर्मा को मिसरोद से कटारा हिल्स थाने भेजा गया है। कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक बद्री प्रसाद को बागसेवनिया से अयोध्या नगर भेजा गया है। पुलिस आयुक्त कार्यालय में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक अजय सिंह को अरेरा हिल्स थाने भेजा गया है। मिसरोद थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक संजीव कटियार को कटारा हिल्स थाने भेजा गया है। इसी तरह 15 पुलिस कर्मियों के थाने में बदलाव किए गए हैं।

पुलिस ने नकबजनी की वारदात का चंद घंटों में किया खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद पुलिस ने चार नकबजनों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक लाख रुपए का सामान जब्त किया है। पुलिस के अनुसार दो दिन पूर्व 20 जुलाई को फरियादी संदीप, निवासी बाजपेयी नगर ईदगाह हिल्स ने शिकायत करते हुए बताया था कि 19-20 जुलाई की दरमियानी रात उनके मकान के दरवाजे की कुंदी तोड़कर बदमाश घर में रखी एलजी कंपनी की वाशिंग मशीन, एक रियल मी कंपनी की एलईडी एवं 01 गैस सिलेंडर चुराकर ले गए हैं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लोगों पूछताछ की और सीसीटीही कैमरे की तलाश करते हुए फुटेज देखे। पुलिस के आधार पर संदेही देवा कुमार निवासी मल्टी बाजपेयी नगर ईदगाह हिल्स भोपाल को पुलिस अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपने भाई सुनील व साथी रवि एवं बसंत के साथ मिलकर चोरी करनी स्वीकार ली। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने संदीप के घर से एलजी कंपनी की वाशिंग मशीन, एक रियल मी कम्पनी की एलईडी एवं एक गैस सिलेंडर चोरी किया था।

एक लाख रुपए का सामान बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

सेंट्रल जेल में हत्या के मामले में सजा काट रही महिला

जेल में महिला कैदी ने जुड़वा बच्चों को दिया जन्म, दोनों की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
सेंट्रल जेल में हत्या के मामले में सजा काट रही जेलबंदी ने सोमवार सुबह दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया और दोनों की ही मौत हो गई। प्रसूता जेलबंदी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची गांधी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिए हैं। मंगलवार को बच्चों का पीएम कराया जाएगा।

आठ साल से काट रही थी सजा

जेल उप अधीक्षक सरोज मिश्रा ने बताया कि तामेश्वरी सांवरे को 11 जनवरी 2013 में हत्या की सजा पड़ी थी। वह रीवा जेल में थी। 7 सितंबर 2016 को उसे सेंट्रल जेल भोपाल में शिफ्ट कराया गया था। वह पैरोल पर जाती थी। इसी दौरान गर्भवती हो गई थी।

पुलिस के अनुसार जेल बंदी सिंगरोली निवासी तामेश्वरी सांवरे हत्या के प्रकरण में जेल में सजा काट रही थी। वह गर्भवती थी और लेवर पेन होने के कारण रविवार रात साढ़े 9 बजे उसे जेल प्रबंधन ने सुलतानिया अस्पताल में भर्ती करा दिया। सोमवार सुबह उसने दो जुड़वा बच्चों में एक बेटी और एक बेटे को जन्म दिया था। दोनों बच्चों का सातवें महीने में ही जन्म हो गया था। डिलेवरी होने के बाद दोनों की सांस चल रही थी, लेकिन कुछ देर बाद दोनों की क्रमशः दो-दो मिनट के अंतराल मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों नवजात बच्चों का शव बरामद कर मर्चूरी भेज दिया है।

रीवा से ट्रांसफर हुई थी महिला बंदी

पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी सिंगरोली में रहने वाले परिजन को दे दी गई है। वे भोपाल के लिए निकल गए हैं। उनके पहुंचने के बाद मंगलवार सुबह बच्चों का पीएम कराया जाएगा। यह भी बताया जा रहा है कि हत्या के बाद तामेश्वरी रीवा जेल में सजा काट रही थी, वहां से उसे भोपाल सेंट्रल जेल ट्रांसफर कराया गया था।

एमसीयू: दर्शन टीवी स्टूडियो के न्यूज़ रूम एवं बैकड्राप का कुलगुरू ने किया लोकार्पण

भोपाल। एमसीयू के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में एमसीयू दर्शन टीवी स्टूडियो के न्यूज़ रुम एवं बैकड्राप तैयार हो चुका है। इसका लोकार्पण कुलगुरू डॉ. केजी सुरेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका वर्मा, कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी एवं विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इस अवसर पर कुलगुरू डॉ. सुरेश ने कहा कि विद्यार्थी यहां आकर एंकरिंग, न्यूज रीडिंग और प्रोडक्शन की प्रायोगिक गतिविधियों में दक्षता हासिल कर सकते हैं। प्रो.सुरेश ने कहा कि विद्यार्थी यहां लाइव का भी अभ्यास कर सकते हैं।

मैनिट : एमसीए में प्रवेश के लिए आवेदन आज से होंगे

भोपाल। मैनिट ने विभिन्न कोर्सेस में एडमिशन के लिए टेंटेटिव डेट जारी कर दी है। इसमें एमसीए एडमिशन के लिए 23 जुलाई, एमएससी 07 अगस्त, एमटेक एमप्लान 07अगस्त, बीटेक, बीआर्क व बीप्लान के लिए 08अगस्त निर्धारित है। उक्त कोर्सों में एडमिशन लेने इच्छुक स्टूडेंट अपने कोर्स के अनुसार ऑनलाइन आवेदन फार्म जमा कर सकते हैं।

एक दिन बाद पुलिस ने दर्ज की लूट की शिकायत

ऑटो से लुटेरों ने बाइक सवार युवक का मोबाइल झपटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित पुष्पा नगर में ऑटो सवार लुटेरों ने बाइक सवार युवक का मोबाइल झपट लिया। घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है। लूट की शिकायत लेकर थाने पहुंचे युवक को रात में शिकायत नहीं होने की बात कहते हुए चलता कर दिया और सुबह बुलाया था। सुबह वह थाने पहुंचा और पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे शाम बुलाया। थाने के चक्कर कटवाने के बाद पुलिस ने सोमवार रात करीब 10 बजे के आसपास लूट की एफआईआर दर्ज कर ली है, पर लुटेरों का सुराग नहीं लग सका है। पुलिस के अनुसार राजेंद्र जोशी ऐशबाग इलाके में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि रविवार देर रात वह अपने घर जा रहे थे, तभी पुष्पा नगर में आटो से आए बदमाशों ने

उनका मोबाइल छीन लिया। वे घटना की शिकायत लेकर थाने पहुंचे तो वहां रात में शिकायत नहीं होने की बात कही गई और सुबह थाने बुलाया गया। वे सुबह थाने पहुंचे तो पूछताछ करने के बाद कहा गया कि शाम तक एफआईआर कर दी जाएगी। शाम को वे दोबारा थाने पहुंचे तो रात करीब दस बजे के आसपास एफआईआर करते हुए पुलिस ने लुटेरों को जल्द गिरफ्तार करने की बात कही।

11 मील बायपास पर बुजुर्ग को ट्रक ने कुचला, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित बायपास पर सज्जाद पेट्रोल पंप के पास सोमवार शाम तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले ट्रक चालक पर मामला दर्ज कर कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार ठाकुर प्रसाद मीणा (70) गांव जमुनिया, थाना बिलखिरिया क्षेत्र में रहते थे और खेती किसानी करते थे। सोमवार शाम वे पैदल टहलते हुए बायपास तक पहुंच

गए?थे। वे सज्जाद पेट्रोल पंप के पास शाम करीब पौन पांच बजे सड़क पार कर रहे थे, तभी एक ट्रक के चालक ने तेजी और लापरवाही से ट्रक चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर लगने से बुजुर्ग ठाकुर प्रसाद को गंभीर चोट आई?थी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रेपिडो चालक की स्कूटी को बाइक सवार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित रिवेयरा टाउन के पास गेट नंबर दो बस स्टैंड पर खड़े रेपिडो स्कूटी सवार युवक को बाइक सवार ने टक्कर मार दी।

तेज रफ्तार बाइक सवार की टक्कर से स्कूटी सवार रेपिडो चालक को गंभीर चोट आई है, जबकि उसकी स्कूटी भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। पुलिस ने रेपिडो चालक की शिकायत पर बाइक सवार पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार नीरज वर्मा पिता हुकमचंद वर्मा (23) अजय नगर, शाहपुरा में रहता हैं और उबेर रेपिडो की स्कूटी चलाता है।

रविवार रात करीब दस बजे वह अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी से सवारी लेने रिवेरा टाउन गेट नंबर-2 के पास बस स्टाप के सामने साइड में खड़ा था, तभी नेहरु नगर की तरफ से आ रहे बाइक सवार ने तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाकर लाया और मेरी स्कूटी मे आकर पीछे टक्कर मार दिया, जिससे वह स्कूटी सहित गिर गए। गिरने से नीरज को दोनों पैर व हाथ मे मूंदी चोट आई है, जबकि स्कूटी दाहिने तरफ से क्षतिग्रस्त हो गई।

मेट्रो एंकर **चरवाहे के साथ मारपीट और गालीगलौज करने का मामला सामने आया**

खेत में भैंस घुसने से युवक के साथ मारपीट, जाति से किया अपमानित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित नलखेड़ा में खेत में भैंस घुसने को लेकर चरवाहे के साथ मारपीट और गालीगलौज करने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं आरोपियों ने मारपीट करते हुए उसे जाति सूचक शब्द भी कहे हैं। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ गालीगलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी और एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

पुलिस के अनुसार 49 साल के बाबूलाल मेहर पिता बंशीलाल मेहर, खेती किसानी करते हैं और भैंस भी चराते हैं। उनकी भैंस कल शाम गांव में रहने वाले हल्केराम मीणा के खेत में घुस गई?थी। हल्केराम मीणा ने भैंस को आवाज देकर बाहर निकालने का प्रयास किया, तभी बाबूलाल खेत में पहुंचे और भैंस को बाहर निकाल लाए। भैंस घुसने से फलस को नुकसान होने के कारण हल्के राम मीणा भड़क गए और बाबूलाल के साथ गालीलौज करने लगे। इसी बीच हल्के राम के परिजन में राजू और रितु मीणा पहुंच गए। इसके बाद तीनों ने बाबूलाल से मारपीट करते हुए उसे जाति से अपमानित करते हुए जातिसूचक शब्द कह दिए।

डंपर से 300 लीटर डीजल चोरी करने पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र में खड़े डंपर से तीन सौ लीटर डीजल चोरी होने के मामला सामने आया है। पुलिस ने डंपर मालिक की शिकायत पर चोरी करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस डंपर मालिक की निशानदेही पर डीजल की बरामदगी में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस ने गोदाम से एक संदिग्ध को हिरासत में भी लिया है। उसने अपना नाम आसिफ बताया है। पुलिस उसे लेकर गोदाम में पहुंची थी। सोशल मीडिया में मैसेज वायरल हुआ कि नगर निगम के वाहनों का भी डीजल खरीदा जा रहा था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022